प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

वर्ष-4 | अंक-88 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 25 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

गंगा दशहरा पर यमुना घाटों पर उमड़े श्रद्धालु

यमुना में लगी आस्था की डुबकी

गंगा दशहरा पर्व पर शहर के विश्राम घाट पर यमुना में स्नान करते श्रद्धालु।

गंगा दशहरा पर्व पर स्नान के बाद यमुना मइया का अभिषेक करती श्रद्धालु।

समूचे जिले में श्रद्धालुओं ने किया यमुना स्नान

वृंदावन और मथुरा में नदी किनारे उमड़े श्रद्धालु

तरबूज—खरबूज की जमकर हुई खरीदारी, आसमान में उड़ीं पतंग

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को गंगा दशहरा पर समूचे जिले में आस्था और श्रद्धा का भाव बना। श्रद्धालुओं ने यमुना में डुबकी लगाई, मथुरा और वृंदावन के घाटों पर श्रद्धा का अतिरेक दिखा। यमुना स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने तरबूज– खरबूज की खरीदारी की। धर्म– कर्म का भाव भी दिखा।

गंगा दशहरा पर मथुरा में सुबह से ही श्रद्धालु यमुना घाटों पर पहुंच गए। आस्था और श्रद्धा के भाव के साथ यमुना में डुबकी लगाई गई। स्नान के बाद बहनों ने भाई को तिलक किया और यमुना मां की आराधना की। बच्चों का भी मुंडन कराया गया। आसपास के मंदिरों में पूजा– अर्चना की गई। शहर में बंगाली घाट, विश्राम घाट और अन्य घाटों पर श्रद्धालुओं ने स्नान किया।

गंगा दशहरा पर्व पर शहर स्थित यमुना में स्नान करते श्रद्धालु।

गंगा दशहरा पर्व पर यमुना स्नान के बाद भाई को तिलक करती बहन।

वृंदावन में गंगा दशहरा पर सुबह श्रद्धालुओं ने घाटों पर पहुंचकर यमुना में डुबकी लगाई। डुबकी लगाते हुए ही भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया।

सायं होते ही आसमान में पतंग उड़ती दिखाई दी। अधिक मास में गंगा दशहरा पड़ने से महत्व अधिक और बढ़ गया। इस कारण श्रद्धालु देवरहा घाट, केशीघाट, चीर घाट और श्रंगार घाट आदि घाटों पर पहुंचे, यहां श्रद्धालुओं ने यमुना में डुबकी लगाई। डुबकी लगाकर श्रद्धालु आम, घड़ा समेत अन्य वस्तुओं का दान भी किया। उसके बाद मंदिरों में पहुंचकर दर्शन किए। वहीं, शेरगढ़, फरह, मांट के अलावा गोकुल आदि स्थानों पर स्नान किया गया।

नगर आयुक्त ने घाटों का किया निरीक्षण

गंगा दशहरा पर यमुना घाटो का निरीक्षण करते नगर आयुक्त जग प्रवेश आदि।

यूनिक समय, मथुरा। पुरुषोत्तम मास में गंगा दशहरा पर्व पर श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों की सुविधा- सुरक्षा को लेकर नगर निगम मथुरा—वृंदावन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने बंगाली घाट, विश्राम घाट सहित विभिन्न प्रमुख घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नगर निगम ने पर्व को देखते हुए घाटों और उनसे जुड़े मार्गों पर चौबीस घंटे विशेष सफाई अभियान चलाया गया। स्नान के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए लाइफ जैकेट, अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए। प्रशिक्षित गोताखोरों की भी तैनाती की गई। इस दौरान सहायक अभियंता शशांक सिंह, वार्ड सुपरवाइजर महेश काजू सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

यमुना में डूबा युवक, शव बरामद

यूनिक समय, फरह। फरह क्षेत्र में गंगा दशहरा के दौरान यमुना स्नान एक परिवार के लिए दुखद हादसा बन गया। गांव गढ़ाया निवासी 22 वर्षीय गोविंद अपने दोस्तों के साथ सोमवार सुबह यमुना नदी में स्नान करने गया था। स्नान के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव में बहने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। देर सायं युवक का शव बरामद कर लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों व एसडीआरएफ टीम की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। कई घंटों की तलाश के बावजूद शाम तक युवक का कोई पता नहीं चल सका। गोविंद तीन भाई—बहनों में सबसे बड़ा था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने बताया कि युवक की तलाश लगातार जारी है।

सीबीएसई भाषा नियम से विदेशी भाषाओं पर बढ़ा संकट

स्कूलों में घट सकते हैं विदेशी भाषा पढ़ने वाले छात्र

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीबीएसई के नए भाषा नियम ने देशभर के स्कूलों, छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। अब कक्षा 9वीं से तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य होगा, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं रखना जरूरी है। इस बदलाव के बाद फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी जैसी विदेशी भाषाओं का भविष्य संकट में दिखाई देने लगा है। अब तक कई छात्र छठी कक्षा से ही विदेशी भाषाओं की पढ़ाई शुरू कर देते थे, ताकि आगे विदेश में पढ़ाई, स्कॉलरशिप और अंतरराष्ट्रीय करियर में मदद मिल सके, लेकिन नए नियम के बाद इन भाषाओं को अतिरिक्त विषय के रूप में पढ़ना पड़ सकता है। इससे विदेशी भाषा चुनने वाले छात्रों की संख्या कम होने की आशंका बढ़ गई है। कई स्कूलों ने पहले ही विदेशी भाषा विषय बंद करने शुरू कर दिए हैं। इसका सीधा असर इन भाषाओं को पढ़ाने वाले शिक्षकों पर पड़ रहा है। कई स्कूलों में फ्रेंच, जर्मन और जापानी के अलग शिक्षक नियुक्त हैं।

फॉरेन लैंग्वेज शिक्षकों की नौकरी पर खतरा मंडराया

यदि छात्रों की संख्या घटती है तो शिक्षकों की नौकरी और आय दोनों प्रभावित हो सकती हैं। शिक्षाविदों का कहना है कि सबसे बड़ी समस्या नियम को अचानक लागू करना है। नया सत्र अप्रैल से शुरू हो चुका है और छात्र किताबें खरीदकर पढ़ाई भी शुरू कर चुके हैं। ऐसे में मई में जारी नए सर्कुलर के बाद स्कूलों को भाषा विकल्प दोबारा तय करने पड़ रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, जिन छात्रों ने पहले विदेशी भाषा पढ़ी है, उन्हें अब नई भारतीय भाषा शुरू से पढ़नी पड़ सकती है। इससे पढ़ाई का स्तर अलग—अलग हो जाएगा और शिक्षकों के लिए कक्षाएं संभालना चुनौतीपूर्ण बन सकता है। वहीं कई छात्रों को विदेश में पढ़ाई की तैयारी में भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

जिम्मेदार छांव में, शहर फंसा जाम में

सोमवार को भूतेश्वर पुल के पास लगे जाम में फंसे वाहन।

कृष्णा नगर से गोवर्धन चौराहे तक थमते दिखे पहिये

नए बस अड्डे, भरतपुर गेट और अन्य स्थानों पर जाम

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी में शहर की यातायात व्यवस्था पंगु हो गई है। हर चौराहा–तिराहा और प्रमुख मार्ग जाम से बिलबिला रहे हैं, वाहन भी रेंग–रेंग खिसकते रहे। सोमवार को तपती गर्मी में लगा जाम शहर का ताप बढ़ाता रहा, लेकिन जिम्मेदार व्यवस्था संभालने के बजाय छांव में बैठे रहे। ऐसे में नागरिक केवल हार्न बजाकर आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे।

शहर में इन दिनों यातायात व्यवस्था चरमराई हुई है। दिन और शाम को छोडिए, दोपहर को भी यातायात रेंग रहा है। प्रमुख चौराहे– तिराहे और मार्गों पर जाम की वजह से लोग परेशान है। दोपहर में लगने वाला जाम लोगों की दम निकाल रहा है। वाहनों में बैठे बच्चे बिलबिला रहे हैं, छोटे वाहन चालक सिस्टम को कोस रहे है।

सोमवार को भी शहर जाम से जूझा। नए बस स्टैंड के अलावा भरतपुर गेट, स्टेट बैंक, कृष्णा नगर और होली गेट के आसपास गर्मी में लगा जाम लोगों के कदम रोक रहा था।

छोटे वाहन चालक भी जाम में फंसते दिखे। शहर में कई स्थानों पर लगे जाम के दौरान जिम्मेदार छांव में बैठे दिखे, जिससे जाम लोगों की जान निकालता रहा।

इंटरनेट मीडिया पर छाया जाम

सोमवार को शहर के कई हिस्सों में लगा जाम इंटरनेट मीडिया पर चर्चा का बिंदु बना। शहर के बाल रोग चिकित्सक डा. अशोक अग्रवाल ने जाम से जूझने की समस्या को अपनी फेसबुक पर शेयर किया। डा. अशोक अग्रवाल ने लिखा कि कई स्थानों पर जाम में फंसने की वजह से एक कार्यक्रम में नहीं जा सके। इस पर लोगों ने काफी टिप्पणी की हैं। जाम के लिए अधिकारियों और सिस्टम के अलावा जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार बताया है।

बिजली के ट्रांसफार्मर से चिपक कर मोर मरा

यूनिक समय मथुरा। थाना गोविंदनगर के बिरला मंदिर किशोरी नगर के समीप लगे बिजली का ट्रांसफार्मर से राष्ट्रीय पक्षी मोर की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई।

मोर को ट्रांसफार्मर चिपका देख लोगों में बिजली कर्मचारियों के प्रति आक्रोश फैल गया।

बच्चों की सुरक्षा पर हो जागरूकता

सतीश चंद्र शर्मा

यूनिक समय, मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय गुमशुदा बालक दिवस पर जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल निःशुल्क शिक्षा केंद्र, के संस्थापक - बाल अधिकार कार्यकर्ता सतीश चंद्र शर्मा ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर समाज से सामूहिक जागरूकता को कहा। उन्होंने कहा कि गुमशुदा बच्चों का विषय केवल किसी एक परिवार की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज की संवेदनशील जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष हजारों बच्चे विभिन्न कारणों से अपने परिवारों से बिछड़ जाते हैं। ऐसे बच्चों के मानव तस्करी, बाल श्रम, भिक्षावृत्ति, शोषण और अन्य अपराधों का शिकार होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए बच्चों की सुरक्षा के प्रति सभी को सजग रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि कोई बच्चा संदिग्ध परिस्थिति में अकेला, डरा–सहमा या असहाय दिखाई दे तो उसकी सहायता करें और तुरंत पुलिस अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना दें।

भीषण गर्मी में कचहरी पर मिलेगा शीतल पानी

दीवानी परिसर में आरओ प्लांट का उद्घाटन करते डीएम सीपी सिंह, एडीएम वित्त पंकज कुमार वमा और अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। अधिवक्ता और वादकारियों को ठंडे पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सोमवार को दीवानी परिसर में बार एसोशिएशन पूर्व अध्यक्ष ठाकुर मदन गोपाल सिंह एडवोकेट ने अपनी माता स्व. भगवती देवी और पिता स्व. ठाकुर चरण सिंह की पुण्य स्मृति में चिलर प्लांट अधिवक्ताओं को समर्पित किया गया। गंगा दशहरा पर आरओ प्लांट का उद्घाटन डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एडीएम वित्त पंकज कुमार वर्मा, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार ने फीता काटकर किया। पूर्व अध्यक्ष मदन गोपाल सिंह एडवोकेट ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए न्यायालय परिसर में स्वच्छ-ठंडे पानी की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक थी। कार्यक्रम में प्रेम सिंह चौहान, नेत्रपाल सिंह, महेश्वर नाथ चतुर्वेदी, श्याम बाबू, हरेंद्र सिंह गौतम, नरेश राजपूत, दीपक राजपूत, विनय यादव, पवन शर्मा, अनामधन्य तिवारी, आकाश सक्सेना, मनीष चौधरी, तेजपाल सिंह, करणवीर सिंह राजपूत, जय नारायण वार्ष्णेय, देवेंद्र सिंह, गोपाल गौतम, भूपेंद्र उपाध्याय, गौरव शर्मा, शरीर कुरैशी और सतबीर सिंह सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

महंगाई–बेरोजगारी के विरोध में बजी थाली

महंगाई के विरोध में थाली बजाते सपा कार्यकर्ता।

सपा डा. आंबेडकर वाहिनी ने जताया विरोध

थाली बजाओ–सरकार जगाओ हुआ आंदोलन

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी के आह्वान पर महंगाई, बेरोजगारी, नीट पेपर लीक और स्मार्ट मीटर से लूट के विरोध में थाली बजाओ, सरकार जगाओ आंदोलन हुआ। वृंदावन,अर्जुन पुरा,जमुना पार,छरोरा,सरस्वती कुंड, दामोदर पुरा, औरंगाबाद समेत नगर निगम क्षेत्र में समाजवादी कार्यकर्ताओं, मातृशक्ति और युवाओं ने एकजुट होकर जन विरोधी नीतियों का थाली बजाकर विरोध जताया।

आंदोलन में सम्मिलित महिलाओं ने रोष व्यक्त करते हुए कहा, एक हजार रुपये का सिलेंडर, 102 रुपये लीटर–पेट्रोल और आसमान छूती मंहगाई में घर कैसे चलाएं। बच्चों के दूध या शिक्षा में कटौती कर हम गैस भरवाएं या घर चलाएं, सरकार बताए हम चूल्हा जलाएं या बच्चों को पढ़ाएं।

मथुरा–वृंदावन विधानसभा प्रत्याशी अनिल अग्रवाल ने कहा कि नीट पेपर लीक ने लाखों छात्रों का भविष्य अंधकारमय कर दिया। भ्रष्टाचार के कारण युवाओं का आक्रोश सरकार को उखाड़ फेंकेगा। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद लोधी ने कहा सरकार ने डिग्रीधारी युवाओं को सड़कों पर ठोकरें खाने को मजबूर कर दिया है।

वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी ने कहा कि यह थाली की गूंज भूखे पेट की पीड़ा और बेरोजगार नौजवान की विवशता का उद्घोष है। इस दौरान देवेन्द्र निषाद, संजय बीडीसी, देवेन्द्र सिंह आजाद, मुकेश सैनी नेताजी, ओमप्रकाश लोधी, आकाश पटेल, सतीश पटेल, मनोज पंडित, सुधा देवी, चंदा देवी, सुनीता, माया देवी, ओमवती , विनीता, रामादेवी, सूरज पटेल, विवेक पटेल, नरेश पटेल, ओमप्रकाश सैनी, ओमपाल सैनी समेत काफी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तापमान / मौसम

44 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

33 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरट 1,59,740

22 कैरट 1,46,960

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,76,520 प्रति किलो

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

मुठभेड़ में पुलिस की गोली से घायल हुए तीन बदमाश

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत और पशु चोरों के गैंग के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने छह पशु चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली लगने से तीन बदमाश घायल हो गए। घायल बदमाशों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। पुलिस को इनके कब्जे से 1.04 लाख रुपये की नकदी, बाइक और घटना में चार पहिया वाहन और देशी तमंचे- कारतूस भी बरामद हुए हैं।

सीओ सदर ने बताया कि बीती रात जैंत पुलिस और सर्विलांस टीम को इस बारे में सूचना मिली की पशु चोरी करने वाला गैंग किसी घटना को अजाम देने के लिए आने वाला है। इस जानकारी पर थाना प्रभारी जैंत सोनू कुमार,सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा, उप निरीक्षक हरेंद्र कुमार, उप निरीक्षक सुधीर राठी,उप निरीक्षक निशांत पायल, उप निरीक्षक विकास गौतम पुलिस फोर्स को लेकर गैंग की घेराबंदी के लिए

हाइवे से देवी आटस को जाने वाले रास्ते के समीप चेकिंग करने लगे। इसी बीच हाइवे से एक गाड़ी आती हुई दिखाई दी। उसके पीछे एक मोटरसाइकिल भी थी। पुलिस को देख कर बदमाश गाड़ी को रोकने के बजाए भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। पुलिस की गोली लगने से तीन बदमाश घायल हो गए। चार पहिया वाहन से भागते बदमाशों का पीछा किया। पुलिस ने तीन बदमाशों को पकड़ लिया, लेकिन एक बदमाश गाड़ी लेकर भाग जाने में सफल हो गया। पुलिस ने इससे पूर्व घटना में गैंग द्वारा पशु चोरी करने के लिए प्रयुक्त की गई गाड़ी भी बरामद कर ली। इस तरह पुलिस ने बदमाशों से एक बाइक और चार पहिया वाहन के अलावा तीन देशी तमंचे- कारतूस और एक लाख

पुलिस की गिरफ्त मे आए बदमाशों के तीन और साथी

चार हजार रुपये की नकदी भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों में सागर निवासी बस अड्डे के पास बड़ी बाल्मीकि बस्ती डीग राजस्थान, अनिल निवासी बठैन गेट बाल्मीकि बस्ती कोसीकलां, सुमित निवासी बालकिशन गढ़ी थाना मांट, दीपक निवासी पी–4 सुल्तानपुरी जगदंबा मार्केट मकान नंबर नंबर 420 थाना सुल्तानपुरी दिल्ली, जस्सी निवासी डरावली थाना बरसाना, रितिक निवासी गांव चंदौरी थाना छाता हैं। पुलिस की गोली लगने से दीपक,जस्सी और रितिक घायल हुए हैं। घायल बदमाशों को पुलिस ने इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

चौकी प्रभारी पर कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

सोमवार को सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा को ज्ञापन सौंपते डा. आंबेडकर सामाजिक अधिकार मंच के पदाधिकारी।

नरहौली में दलित परिवार की बारात में विवाद को लेकर मंच ने दिया डीएम को ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को डा. आंबेडकर सामाजिक अधिकार मंच की ओर से थाना हाईवे क्षेत्र के नरहौली गांव में शादी समारोह के दौरान दलित समाज के लोगों के साथ मारपीट की घटना के विरोध में कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। डीएम को ज्ञापन देकर आरोपियों के अलावा चौकी इंचार्ज पर कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि शादी समारोह के दौरान दबंगों ने दलित समाज के लोगों के साथ मारपीट की। उनका कहना था कि घटना के बाद पुलिस ने मामले में गंभीरता नहीं दिखाई। पीड़ित पक्ष की शिकायत के बावजूद आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। लोगों ने चौकी इंचार्ज पर लापरवाही बरतने और मामले को दबाने का आरोप लगाया।

इस दौरान डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक अधिकार मंच के पदाधिकारियों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही पीड़ित परिवार को सुरक्षा और न्याय दिलाने की अपील भी की गई।

सीआरपीएफ जवान की मौत

बैरक में चक्कर खाकर गिरा मुंह के बल

यूनिक समय, मथुरा। राँची बांगर स्थित सीआरपीएफ केंप में आज प्रातः अचानक एक सिपाही चक्कर खाकर मुंह के बल जमीन पर गिर गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों ने जवान की मौत के बारे में परिवारीजनों को सूचना दी है। विनोद कुमार यादव(45) पुत्र रघुराज सिंह यादव निवासी बैरागनगर थाना मौमदाबाद जिला फर्रुखाबाद सीआरपीएफ में 2003 में भर्ती हुआ था। वह अब रॉची बांगर स्थित सीआरपीएफ की बटालियन में तैनात था। बताया गया कि विनोद कुमार यादव ने आज प्रातः अपने मोबाइल फोन पर स्टेटस लगाया। इसके कुछ देर बाद वह बैरक में अचानक से चक्कर खाकर मुहं के बल गिर गया। साथी जवान उसकी इस स्थिति को देखने के बाद अधिकारियों को बताकर उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सिपाही की अचानक इस तरह हुई मौत से सभी दुखी थे। विनोद यादव की मौत की खबर अधिकारियों ने परिवार के लोगों को दी। इसके साथ ही शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम गृह पर पुलिस और सीआरपीएफ के अधिकारी मौजूद रहे। परिवार के लोग भी यहां पहुंच गए। बताया गया कि सिपाही के दो लड़कियां और एक लड़का है।

विनोद कुमार यादव
फाइल फोटो

तीन बाइक चोर गिरफ्तार दस बाइकें हुई बरामद

दस बाइकों के साथ पुलिस की गिरफ्त में तीन बाइक चोर।

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने तीन अंतरराज्यीय वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की दस बाइकें बरामद की है। कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान रेलवे ग्राउंड की दीवार के समीप बाइक पर जाते तीन युवकों को रोका। युवकों से पुलिस ने बाइक के कागजात दिखाने के लिए कहा। युवकों के पास बाइक से संबंधित कोई कागज नहीं मिला। पुलिस ने युवकों से कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने बाइक चोरी की बताई। पुलिस द्वारा की गई और पूछताछ में युवकों ने 9 चोरी की बाइक और बरामद करा दी। इस तरह पुलिस को इन के कब्जे से 10 चोरी की बाइक बरामद हुई। पुलिस ने इस मामले में बॉबी उर्फ रोहित निवासी नगला हंसी थाना राया, हेमंत कुमार निवासी उदयगढ़ी थाना नौहझील और पवन कुमार निवासी गांव नावली थाना नौहझील को गिरफ्तार किया है।

दो चोर गिरफ्तार, चोरी की ट्रॉली बरामद

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित चल रहे दो चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की ट्रॉली बरामद की है। पुलिस के अनुसार, वकील उर्फ गटुआ और राशिद खान निवासी गांव बरौठ को गांव बरौठ के समीप से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की ट्रॉली बरामद की है।

गायत्री तपोभूमि पर मृत वृद्ध के शव को ले गए परिजन

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर क्षेत्र स्थित गायत्री तपोभूमि पर गिरने से मृत हुए वृद्ध के परिवारीजन आज सिवान बिहार से उनका शव लेने के लिए मोर्चरी पहुंचे। सिवान बिहार के रहने वाले रामप्रसाद (80) मथुरा में दर्शन करने के लिए आए थे। गायत्री तपोभूमि पर वह दो दिन पूर्व अचानक गिर गए। लोगों ने उन्हें उठाया, कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। गोविंदनगर पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया था। परिवार के लोगों को भी खबर कर दी गई थी। रामप्रसाद के परिवार के लोग आज मोर्चरी पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को परिवार के लोगों को सौंप दिया।

दुराचार में वांछित बाल अपचारी पकड़ा

यूनिक समय,मथुरा। कोतवाली पुलिस ने दुराचार के मामले में एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया है। वांछित बाल अपचारी को पुलिस ने नए बस अड्डे के समीप बीएसए रोड से अभिरक्षा में लिया है।

ट्रेन में चढ़ने के दौरान युवक ट्रेन से कटा

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर प्लेटफार्म संख्या सात के समीप ट्रेन में चढ़ने के दौरान एक यात्री आज प्रातः ट्रेन कट गया। पुलिस के अनुसार, आज प्रातः मथुरा जकंशन के प्लेटफार्म संख्या सात के आगे एक युवक चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। इस प्रयास में युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन उसे पटरी पर खींचती हुई ले गई और उसके शरीर के दो टुकड़े हो गए। पुलिस के अनुसार उसके पास से मिले कागजात के आधार पर शिनाख्त चंदन सिंह(47) निवासी गांव सौन थाना मगोर्रा के रुप में हुई है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए परिवार के लोगों को उसकी मौत के बारे में सूचना दी है।

गंगा दशहरा व अधिकमास पर प्रशासन अलर्ट

ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग का डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण

परिक्रमा में डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार परिक्रमार्थियों को केले बाटते हुए।

श्रद्धालुओं को फल वितरित कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

यूनिक समय, मथुरा। गंगा दशहरा पर्व और ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन सतर्क नजर आया। सोमवार को डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने थाना कोसीकलां क्षेत्र के परिक्रमा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा और मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, शेड, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, भोजन औरभंडारों की स्थिति, पेयजल, शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की जांच की।

डीएम और एसएसपी ने ग्राम गढ़ी भरवारी स्थित स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण कर उपलब्ध दवाओं की जांच की,एक्सपायरी डेट भी चेक कराई। उन्होंने चिकित्सकों द्वारा मरीजों की एंट्री के लिए बनाए गए रजिस्टर का अवलोकन करते हुए निर्देश दिए कि स्वास्थ्य शिविरों में चौबीस घंटे चिकित्सकीय स्टॉफ की उपस्थिति तय की जाए। निरीक्षण के दौरान एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, एसडीएम छाता वैभव गुप्ता, सीओ छाता भूषण वर्मा, तहसीलदार छाता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

परिक्रमा मार्ग में व्यवस्था ध्वस्त बाजना में श्रद्धालु परेशान

यूनिक समय, बाजना। आस्था और श्रद्धा के प्रतीक ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर इन दिनों प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खुलती नजर आ रही है। स्थानीय प्रशासन- पुलिस की लापरवाही के कारण परिक्रमार्थियों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाजना के मुख्य स्टेट बैंक चौराहे को क्षेत्र का सबसे व्यस्त मार्ग माना जाता है। इस चौराहे से दिन-रात छोटे-बड़े वाहनों का लगातार आवागमन बना रहता है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु आवागमन के लिए मौके पर कोई पुलिसकर्मी तैनात दिखाई नहीं दे रहा। भीषण गर्मी, भारी भीड़ और तेज रफ्तार वाहनों के बीच देश-विदेश से आए परिक्रमार्थी अपनी जान जोखिम में डालकर सड़क पार करने को मजबूर हैं। चौराहे पर यातायात नियंत्रण की व्यवस्था न होने से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की यह अनदेखी किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है।

परिक्रमा के दौरान श्रद्धालु की मौत हार्ट अटैक की आशंका

यूनिक समय, सुरीर। अधिक मास परिक्रमा के दौरान सोमवार सुबह एक घटना सामने आई। गांव हरनौल में परिक्रमा कर रहे एक श्रद्धालु की अचानक तबियत बिगड़ने से मौत हो गई। गांव मित्ठौली थाना नोहझील निवासी 47 वर्षीय राजकुमार पुत्र विक्रम अधिक मास की पवित्र परिक्रमा में शामिल थे। सोमवार सुबह जब वह परिक्रमा करते हुए हरनौल स्थित मंदिर के निकट पहुंचे, तभी अचानक उन्हें सीने में तेज दर्द महसूस हुआ और वह सड़क पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने तत्काल उन्हें संभालने और प्राथमिक सहायता देने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं।

घटना की सूचना मिलते ही एसआई प्रवल प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे । पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल मथुरा भेज दिया। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

श्रद्धालुओं बढ़ने पर गोवर्धन में चला अतिक्रमण अभियान, वाहनों के काटे चालान

यूनिक समय, गोवर्धन। अधिक मास के चलते धर्मनगरी गोवर्धन में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए शनिवार देर शाम प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया।

श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए नगर पंचायत और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से सख्त अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया।

अभियान के दौरान सड़क मार्ग पर अव्यवस्थित तरीके से खड़े वाहनों के चालान किए गए।

वहीं दानघाटी मंदिर से लेकर बस स्टैंड क्षेत्र तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। सड़क किनारे खड़ी ढकेलों और दुकानों के बाहर फैले सामान को हटवाया गया। कई दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा गया कि यदि भविष्य में दोबारा सड़क पर अतिक्रमण किया गया तो सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सुबह शीतल,दोपहर हुई गर्म

44 पार निकला अधिकतम तापमान, न्यूनतम भी बढ़ा

29 और 30 को गरज के साथ हो सकती है बूंदाबांदी

यूनिक समय, मथुरा। नौतपा से पहले तपी धरा सोमवार को नौतपा के पहले दिन तपी तो अधिकतम तापमान भी कई दिन बाद 44 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया, जबकि न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। इसी बीच गर्मी से परेशान लोगों के लिए मोसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी किया हैं। 29और 30 मई को आसमान पर बादल छाने और गरज के साथ बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है। नौतपा आज से शुरू हुआ तो धरा तीन दिन बाद गर्म होती रही। वैसे, सुबह करीब 20 किमी. की गति से चली शीतल बयार लोगों को राहत भी देती रही। इसके बाद जैसे- जैसे दिन चढ़ा तो अधिकतम तापमान भी बढ़कर 44.5 डिग्री सेल्सियस पर जा पहुंचा, जबकि न्यूनतम तापमान भी 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आने वाले दो- तीन दिन तक हीट बेव का अलर्ट भी मौसम विभाग ने जारी किया है। वहीं, मौसम विभाग ने इस गर्मी के बीच राहत वाली खबर जारी की है। 29 और 30 मई को आसमान पर छाए रहने और गरज के साथ बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, ऐसे मौसम से अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस पर आ सकता है।

बरारी में निकली भगवान परशुराम और महाराणा प्रताप की शोभायात्रा

बरारी मे निकली भगवान परशुराम और महाराणा प्रताप की शोभायात्रा में विधायक श्रीकांत शर्मा को सम्मानित करते आयोजक।

बैंड-बाजों की धुन पर महका वातावरण गूंजे नारे

वैदिक मंत्रों के साथ हुआ हवन

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गांव बरारी में भगवान परशुराम और वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जयकारों की गूंज और हवन से वातावरण महकता रहा। केसरिया परिधान यात्रा का आकर्षक रहा। यात्रा में सैंकड़ों भक्त औरर सनातनी शामिल हुए।

फरह क्षेत्र के गांव बरारी में विप्र और क्षत्रिय समाज ने मिलकर भगवान परशुराम वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य शोभायात्रा निकाली। रविवार शाम को निकली यात्रा में बैंड-बाजों की धुन और आकर्षक झांकियां लोगों को लुभाती रही। जय भगवान परशुराम और महाराणा प्रताप के नारों के साथ यात्रा का शुभारंभ न्याय पंचायत बरारी की सरदारी ने सयुंक्त रूप से दीप प्रज्जवलित करके किया। प्रमुखजनों ने भगवान परशुराम और महाराणा प्रताप को नमन किया और लोगों से उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान सुबह 11 बजे वैदिक मंत्रों के साथ हवन किया गया। इसके बाद अतिथियों और गणमान्य लोगों का स्वागत किया गया। शाम 6:30 बजे रथ, बैंड बाजों, डीजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई।

यात्रा में शामिल भगवान श्री राम परिवार, राधा-कृष्ण, शिव, गणेश, भगवान परशुराम और महाराणा प्रताप की झांकियों ने पूरे गांव में भ्रमण किया। भगवा परिधान में सैंकड़ों अनुयायी नाचते- गाते दिखे। ग्रामीणों ने शोभायात्रा पर फूलों की वर्षा की, समापन गांधी चबूतरा पर हुआ, जहां प्रसाद वितरण हुआ। धन्यवाद ज्ञापन ज्ञानेद्र शर्मा ने किया। शोभायात्रा में विधायक श्रीकांत शर्मा, कुंवर नरेंद्र सिंह, ठाकुर सुजान सिंह जिलाध्यक्ष क्षत्रिय महासभा,ठाकुर कन्हैया लाल एडवोकेट प्रदेश सचिव करनी सेना,भूदेव दीक्षित,वैध कोमल प्रसाद शर्मा, द्वारिका दीक्षित, मनोज गौड़, ठाकुर नरेंद्र सिंह, ठाकुर अनिल सिंह, नंदकिशोर महाराज, खजान सिंह, जगन सिंह, अरुण सिंह, केके सिंह, रोहताश सिंह, ठाकुर हिमांशु सिंह, विकास, शिवम, तारेश दीक्षित, पवन दीक्षित, दीपक, नेहरू गौड़, रूपराम पंडित, दामोदरदास पंडित, राकेश रावत,राजेश रावत, देवेंद्र रावत,थान सिंह, सचिन शर्मा, मानवेन्द्र, ठाकुर बच्चू सिंह, डिग्गो ठाकुर, भूदेव गौड़, रतन यादव,बीरेंद्र यादव,संजीव यादव,मनोज अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, महेन्द्र सोनी, बॉबी पंडित, रिंकू यादव, सचिन पहलवान,रवि ठाकुर, आदि रहे।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसे में अज्ञात युवक की हुई मौत

यूनिक समय, सुरीर, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से अज्ञात युवक की मौत हो गई। मरने वाले को पुलिस मानसिक रुप से विक्षिप्ति बता रही है। वहीं,दूसरी दुर्घटना में एक टाटा मैजिक के पलट जाने के कारण चालक घायल हो गया।

यमुना एक्सप्रेस वे पर आगरा से नोएडा जाने वाले रोड पर माइल स्टोन संख्या 98 के समीप रात करीब साढ़े आठ बजे पुलिस को इस बारे में सूचना मिली की वहां एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। पुलिस ने सड़क पर पड़े अज्ञात व्यक्ति के शव के बारे में जानकारी की। पुलिस का कहना है कि मरने वाला युवक मानसिक तौर पर विक्षिप्त है।

शनिवार को भी उसे नाएडा से आगरा के लिए जाने वाली रोड से हटाया था। इसके बाद फिर दोबारा वह रोड पर पहुंच गया और रात में किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस इसके बाद भी मरने वाले की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर थाना नौहझील इलाके किलो मीटर 65 पर आज प्रातः एक टाटा मैजिक का टायर अचानक तेज आवाज के साथ फट गया। टायर फटने से अनियंत्रित होकर टाटा मैजिक पलट गया। इस बीच अगर कोई दूसरा वाहन आ जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। दुर्घटना में चालक घायल हो गया। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज हरेंद्र सिंह ने रिकवरी वाहन से सड़क पर पलटे टाटा माजिक को सीधा कराकर सड़क से हटवाया और चालक के हवाले कर दिया।

डेलपैक लॉजिस्टिक्स इंडिया में जीएलए बीसीए के 26 छात्रों का चयन

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के बीसीए के चयनित छात्र।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बीसीए विभाग के विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। प्रतिष्ठित डेलपैक लॉजिस्टिक्स इंडिया कंपनी ने कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान बीसीए के 26 विद्यार्थियों का आकर्षक पैकेज पर चयन किया है। विद्यार्थियों की इस सफलता से विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल है।

कंपनी द्वारा आयोजित चयन प्रक्रिया में एप्टीट्यूट टेस्ट, टेक्निकल राउंड, कम्युनिकेशन स्किल और पर्सनल इंटरव्यू जैसे विभिन्न चरण शामिल रहे। जीएलए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सभी चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी तकनीकी क्षमता, तार्किक सोच और प्रोफेशनल दक्षता का प्रभावशाली परिचय दिया।

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को आधुनिक कंप्यूटर लैब्स, एडवांस सॉफ्टवेयर तकनीकों और इंडस्ट्री आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी रूप से मजबूत बनाया जाता है। बीसीए विभाग में विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग लैंग्वेज, वेब डेवलपमेंट, डेटा स्ट्रक्चर, क्लाउड टेक्नोलॉजी और उभरती डिजिटल तकनीकों की प्रायोगिक जानकारी दी जाती है, जिससे वे इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो सकें। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में समय–समय पर हैकाथॉन, कोडथॉन, लाइव प्रोजेक्ट्स, टेक्निकल वर्कशॉप और कोडिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समस्या समाधान क्षमता, इनोवेशन स्किल और टीमवर्क को विकसित किया जाता है। यही कारण है कि जीएलए के विद्यार्थी राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की प्लेसमेंट प्रक्रियाओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। चयनित छात्र उत्कर्ष वाजपेयी ने कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय में मिला

जीएलए बीसीए विद्यार्थियों ने शानदार पैकेज के साथ प्लेसमेंट में रचा सफलता का नया अध्याय

प्रैक्टिकल नॉलेज, कोडिंग प्रैक्टिस और फैकल्टी का निरंतर मार्गदर्शन उनके चयन में बेहद सहायक साबित हुआ। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का इंडस्ट्री ओरिएंटेड वातावरण विद्यार्थियों को वास्तविक कॉर्पोरेट चुनौतियों के लिए तैयार करता है। वहीं छात्र विशाल कुमार ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मॉक इंटरव्यू, स्किल डेवलपमेंट सेशन, कोडिंग प्रैक्टिस और टेक्निकल ट्रेनिंग ने उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ाया। उन्होंने कहा कि यहां का सकारात्मक शैक्षणिक माहौल विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

बीसीए विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित अग्रवाल ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को केवल डिग्री तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें तकनीकी रूप से दक्ष, आत्मविश्वासी और इंडस्ट्री रेडी प्रोफेशनल बनाने पर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि विभाग में आधुनिक शिक्षण पद्धति, प्रैक्टिकल आधारित लर्निंग, प्रोजेक्ट डेवलपमेंट और कोडिंग कल्चर को विशेष महत्व दिया जाता है। यही कारण है कि विद्यार्थी लगातार राष्ट्रीय स्तर की कंपनियों में उत्कृष्ट पैकेज पर चयनित हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने चयनित सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और इसे गुणवत्ता आधारित शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण और उद्योगों से मजबूत सहभागिता का परिणाम बताया।

वृंदावन में विद्युत कटौती को लेकर बिजली घर पर प्रदर्शन

रंगजी बिजली घर के बाहर धरना पर बैठे पार्षद शशांक शर्मा, साथ हैं क्षेत्र के लोग।

वृंदावन में विद्युत आपूर्ति की अव्यवस्था के विरोध में ज्ञापन देते सपा के पदाधिकारी।

भाजपा पार्षद शशांक शर्मा ने कर्मचारियों ने सुनाई खरी खोटी

सपा नेताओं ने कटौती को लेकर दिखाया आक्रोश

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में पिछले कई दिनों से चल रही अंधाधुंध विद्युत कटौती के विरोध में भाजपा पार्षद शशांक शर्मा ने मोर्चा खोल दिया। उन्होंने अपने क्षेत्र के लोगों के साथ रंगजी मंदिर बिजली घर कार्यालय पर पहुंचकर प्रदर्शन कर धरना दिया। यहां उनको संविदाकर्मियों से नोकझोंक भी हो गई। पार्षद शशांक शर्मा ने कर्मचारियों को खूब खरी खोटी भी सुनाई। इस कारण संविदाकर्मी गुस्से में दिखाई दिए। पार्षद का कहना था कि कभी वोल्टेज कम आते हैं तो कभी बिजली गुल हो जाती है। इस कारण लोगों का हाल बेहाल है।

उधर, समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव भारत भूषण शर्मा और महानगर अध्यक्ष युवजन सभा अंकित वार्ष्णेय के नेतृत्व में बिजली घर पर विद्युत कटौती के विरोध में धरना दिया। कहा कि वोल्टेज के उतार चढ़ाव के कारण ट्रांसफार्मर खराब हो रहे हैं। लाइनों में फाल्ट हो रहा है। इस मौके पर पवन ठाकुर, छोटू ठाकुर और दीपक गोयल आदि उपस्थित थे।

पार्षद के खिलाफ संविदा कर्मी गए हड़ताल पर

यूनिक समय, वृंदावन। विद्युत कटौती का विरोध करने पहुंचे भाजपा पार्षद शशांक शर्मा के खिलाफ विद्युत विभाग के संविदा कर्मी हड़ताल शुरु कर धरने पर बैठ गए। इनमें रंगजी बगीचा, चैतन्य विहार, पागल बाबा विद्युत केंद्र के संविदा कर्मी शामिल बताए जाते हैं। आरोप लगाया कि पार्षद ने रंगजी बगीचा विद्युत केंद्र में तैनात संविदा कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किया। कहा कि ऐसी भीषण गर्मी में वह लोगों के लिए विद्युत खंभों पर चढ़कर काम करते हैं। उनकी कोशिश यही रहती है कि विद्युत आपूर्ति सुचारु बनीं रहे।

दिन–दहाड़े घर के बाहर खड़ी बाइक चुरा ले गया चोर

महेंद्र नगर के एक मकान के समीप खड़ी बाइक को चोरी करके ले जाता चोर।

यूनिक समय, मथुरा। शहर में बेखौफ चोर बाइकों को चोरी करके इस तरह ले जा रहा है जैसे उसे रोकने वाला कोई है ही नहीं। बाइक चोरी कर ले जा रहे चोर के चेहरे पर जरा सा भी भय नजर नहीं आ रहा है। इतने पर भी पुलिस बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज करने को तैयार नहीं है।

शहर मे बाइक चोरी होने की वारदात तेजी से बढ़ रही हैं। लगता है बाइक चोरी करने वालों को दिलों से पुलिस का खौफ पूरी तरह निकल चुका है। बीती रात महेंद्र नगर सौंख रोड मंडी चौराहा के रहने वाले धनीराम कल दिन में दो बजे अपनी बाइक एचएफ डीलेक्स यूपी–85 बीजे 5952 को खड़ा करने के बाद घर के अंदर गए। कुछ समय बाद घर से बाहर निकले तो वहां खड़ी बाइक चोरी हो चुकी थी। बाइक चोरी होने का पता लगने पर इलाके में दहशत फैल गई। सीसी कैमरें की फुटेज खंगाली गई तो बाइक चोरी करने वाला बाइक को इस तरह ले जाता दिखाई दिया जैसे उसे किसी का कोई डर ही न हो। पुलिस के पास पहुंचे पीड़ित ने जब चोर की फोटो पुलिस को दिखाई, इसके बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

अनुशासन समिति के अध्यक्ष बने एडवोकेट अनिल शर्मा

ग्रीष्मकालीन पारिवारिक आनंद उत्सव मनाते जायंट्स ग्रुप ऑफ वेस्ट की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जायंट्स ग्रुप ऑफ़ मथुरा वेस्ट ने स्थानीय होटल में ग्रीष्मकालीन पारिवारिक आनंद उत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम में हाउजी, एकल,सामूहिक नृत्य और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। हायूजी प्रतिगिता में दुष्यंत अग्रवाल, रमनलाल गुप्ता, मनोज शर्मा, नीलिमा अग्रवाल आदि को पूर्व अध्यक्ष जगदीश चावला की ओर से पुरस्कार दिए गए।

अनुशासन समिति का गठन भी हुआ, जिसमें अध्यक्ष अनिल शर्मा का अध्यक्ष दिनेशचंद्र अग्रवाल ने, सचिव बने भूपेंद्र अग्रवाल को डीओए संजीव जैन ने, सहसचिव बने संजय जॉली को डीओएफ बृजेश सिंघल ने पटुका पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर अर्चना अग्रवाल,भावना अरोड़ा, बबिता जैन, संगीता सिंघल, गुंजन, साधना, सुमनलता शर्मा, नीता मित्तल, राजेश मित्तल, दिनेशचंद्र अग्रवाल, किरन, धर्मेंद्र चुग, शशि, बृजभूषण कालरा, वंदना, विजय बंसल 'पिंकू', शिप्रा, पंकज मित्तल, लता, राजकुमार अरोड़ा, अमीता, संजय भटनागर, जितेंद्र सिंह, प्रदीप भल्ला, अमित चुग, सुनील भगवती, रेनू चावला, शैली भाटिया आदि लोग मौजूद थे।

मथुरा में साइबर ठगी रोकने की पुलिस की नई पहल

संचार साथी एप से मिलेगी साइबर सुरक्षा

यूनिक समय, मथुरा। जिले में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए पुलिस और साइबर सेल ने लोगों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, मोबाइल चोरी और सिम कार्ड के दुरुपयोग के मामलों में लगातार बढ़ोतरी के बीच लोगों को "संचार साथी" एप इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा शुरू किया गया यह एप लोगों को मोबाइल और डिजिटल सुरक्षा से जुड़ी कई सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

मथुरा साइबर सेल के अनुसार, इस एप की मदद से कोई भी व्यक्ति अपने नाम पर चल रहे सभी सिम कार्ड की जानकारी तुरंत प्राप्त कर सकता है। यदि कोई संदिग्ध नंबर सक्रिय मिले तो उसकी ऑनलाइन शिकायत कर उसे बंद कराया जा सकता है। पुलिस ने बताया कि कई मामलों में लोगों के दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल कर फर्जी सिम जारी किए जा रहे हैं, जिनका उपयोग साइबर अपराधों में किया जाता है।

एप में मोबाइल चोरी या गुम होने पर आईएमईआई नंबर ब्लॉक करने की सुविधा भी दी गई है। इससे चोरी

फर्जी कॉल और सिम पर रहेगी नजर

हुआ फोन किसी भी नेटवर्क पर काम नहीं करेगा। इसके अलावा "चक्षु" सुविधा के जरिए फर्जी बैंक कॉल, लॉटरी मैसेज, केवाईसी अपडेट और व्हाट्सएप ठगी जैसी घटनाओं की शिकायत भी ऑनलाइन की जा सकती है। मथुरा पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या ओटीपी साझा करने से बचें। साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन 1930 या साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई हो सके।

कचरा निगल गया हरियाली, सूख गए नौ पेड़

नगर पंचायत की करतूत से जहरीला हो गया पर्यावरण

यूनिक समय, फरह। नगर पंचायत की करतूत हाइवे के सहारे हरियाली पर भारी पड़ गई। कचरा और अन्य अपशिष्ट की वजह से वर्ष भर भरा रहने वाला बरसात का पानी जहरीला हुआ तो नौ पेड़ सूख गए, जबकि काफी झाड़ियां जलकर खाक हो गई। वहीं, मांस बिक्री के नाम पर काटे जा रहे पशुओं और अन्य जानवरों के अवशेष खुले में फेंके जाने से बयार भी प्रदूषित हो गई है।

नगर पंचायत कई साल से ब्लाक कार्यालय के समीप खाली जमीन पर कस्बा से समेटे जाने वाली गंदगी को डालती आ रही है। पूर्व में इस जमीन पर ईंट भट्टा संचालित होने के दौरान मिट्टी खनन का काम हुआ था, जिसकी वजह से गड्ढा हो गया। बरसात के सीजन में पानी भरने से गंदगी सड़ने लगी और काफी मात्रा में पालीथिन आदि कचरा हरियाली को निगलने लगा। वहीं, कचरे में आए दिन नगर पंचायत कर्मियों की ओर से लगाई जाने वाली आग से यह हरियाली झुलसने लगी तो देखते ही देखते नौ हरे पेड़ सूख गए। इन पेड़ों पर अब केवल बाज - चील और कौवों का बसेरा बना हुआ है। यह भी नगर पंचायत कर्मचारियों द्वारा फेंकी

नगर पंचायत की ओर से फेंके जा रहे कचरे में मांस के अपशिष्ठ होने की वजह से मौजूद श्वान और चील- बाज आदि।

खुले में फेंके जा रहे काटे गए पशु-जानवरों के अवशेष

जाने वाली गंदगी में मांस के अपशिष्ठ होने की वजह से इन पेड़ों पर बैठे दिखते हैं। कस्बा में हर दिन काटे जा रहे बकरा, मुर्गा आदि के अवशेष इसी स्थान पर फेंके जाने से अब फतिहा पुल तक सुबह की सैर करने वालों ने आना बंद कर दिया है। ब्लाक क पास रहने वाली गौरी का कहना है कि कचरे का धुआं और मांस के अवशेषों से आने वाली बदबू की वजह से अब इधर नहीं आते है। यहां काफी कुत्तों की वजह से डर भी लगता है।

राया में परिक्रमा मार्ग पर हुआ सुंदरकांड पाठ

यूनिक समय, राया। अधिकमास में ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा के लिए परिक्रमार्थियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। श्रद्धा भाव के साथ परिक्रमार्थी राधे- राधे के साथ परिक्रमा कर रहे है। वही कस्बे में समाजसेवी संस्थाएं भी शिविर लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा में लगी है। हाथरस- मथुरा मार्ग पर राधे राधे सेवा समिति की ओर से प्रतिदिन शिविर लगाकर छाछ, मठा, जलजीरा और फल का वितरण किया जा रहा है। चिकित्सा शिविर लगाकर दवाएं वितरित की जा रही है। इसमें चंद्रप्रकाश अग्रवाल, पवन अग्रवाल, शिवम अग्रवाल, योगेश गोयल, कपिल, प्रमेन्द्र चौधरी, भगवती वर्मा, बन्टी जैन, कृष्णकांत, मोहित अग्रवाल और प्रमोद गोयल आदि का सहयोग मिल रहा है। वहीं, बलदेव मार्ग श्रीराम लला आश्रम पर राष्ट्रीय हनुमान दल ने शिविर लगाकर सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर सुबह शाम कढ़ी-चावल, दाल-रोटी, चाय-बिस्कुट का वितरित किया। इसमे प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र रावत, विशाल पाराशर, देवेंद्र चौधरी, चन्द्रशेखर सिंह, प्रदीप अग्रवाल, पुनीत चौबे, भोला चौधरी, कुलदीप शास्त्री, टीकाराम शर्मा. कपिल चौबे और दलवीर सिंह आदि का सहयोग है।

हाईवे पर जानलेवा गड्ढ़ा कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। नेशनल हाईवे पर सफर करने वाले राहगीरों के लिए इन दिनों सफर किसी बुरे सपने से कम नहीं रह गया है। दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे छाता स्थित सर्विस लाइन पर बना एक विशालकाय गड्ढा राहगीरों के लिए बड़ा ही दुखदाई और जानलेवा साबित हो सकता है। दिन के उजाले में तो जैसे-तैसे वाहन चालक बचकर निकल जाते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में यह गड्ढा किसी बड़े हादसे की शक्ल कर लेता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस मार्ग से रोजाना हजारों वाहनों और प्रशासनिक अधिकारियों का आना-जाना होता है, लेकिन इस गंभीर समस्या की सुध लेने वाला कोई नहीं है।

छाता के पास हाइवे पर दिखाई दे रहा गड्ढा।

स्थानीय लोगों और रोजाना सफर करने वाले चालकों का कहना है कि यह गड्ढा बरसाना चौराहे के नजदीक हाईवे सर्विस रोड पर पिछले कई महीनों से जस का तस बना हुआ है। आए दिन दोपहिया वाहन चालक इसमें असंतुलित होकर गिर रहे हैं। लोगों का आरोप है कि 'नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया' को यह बड़ा गड्ढा दिखाई नहीं दे रहा है या फिर विभाग किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है।

अगर इस लापरवाही के कारण किसी के साथ कोई अनहोनी हो जाती है, तो इस हादसे का जिम्मेदार कौन होगा? क्या प्रशासन दुर्घटना होने के बाद ही जागेगा।

हाईवे पर गाड़ियां तेज रफ्तार में चलती हैं। ऐसे में अचानक सामने आने वाले इस गड्ढे के कारण वाहन चालक अचानक ब्रेक लगाने या गाड़ी मोड़ने को मजबूर हो जाते हैं, जिससे पीछे से आ रहे वाहनों के टकराने का खतरा हर पल बना रहता है। यह गड्ढा किसी के भी जीवन के लिए घातक साबित हो सकता है।

जानलेवा गर्मी में कब जवाब देता है इंसानी शरीर

50 डिग्री के बाद बढ़ता मौत का खतरा

यूनिक समय, मथुरा। देशभर में बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम की परेशानी नहीं, बल्कि गंभीर स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। मई के अंतिम दिनों में कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इंसान का शरीर कितनी गर्मी तक सुरक्षित रह सकता है और किस तापमान के बाद मौत का खतरा बढ़ जाता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार स्वस्थ इंसान का शरीर सामान्य रूप से 35 डिग्री से 40 डिग्री सेल्सियस तक का बाहरी तापमान सहन कर सकता है। लेकिन जैसे ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचता है, शरीर को खुद को ठंडा रखने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है। यदि हवा में नमी कम हो और व्यक्ति लगातार पानी पीता रहे तो 45 डिग्री सेल्सियस से 50 डिग्री सेल्सियस तक की गर्मी भी कुछ समय तक झेली जा सकती है। हालांकि 50 डिग्री सेल्सियस के बाद स्थिति बेहद खतरनाक हो जाती है। दरअसल, इंसानी शरीर का सामान्य अंदरूनी तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस से 37.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। शरीर का यह संतुलन दिमाग का हाइपोथैलेमस नियंत्रित करता है। गर्मी बढ़ने पर शरीर पसीना निकालता है और त्वचा के जरिए खुद को ठंडा करता है। लेकिन जब तापमान के साथ नमी यानी ह्यूमिडिटी भी बहुत ज्यादा हो जाए तो पसीना सूख नहीं पाता और शरीर का कूलिंग सिस्टम फेल होने लगता है। वैज्ञानिक इसे "वेट बल्ब तापमान" कहते हैं। विशेषज्ञों के

उमस बढ़ते ही फेल होने लगता कूलिंग सिस्टम

मुताबिक 35 डिग्री सेल्सियस वेट बल्ब तापमान इंसान के जीवित रहने की अंतिम सीमा मानी जाती है। इस स्थिति में कुछ घंटों के भीतर ही शरीर के अंग जवाब देने लगते हैं। सबसे पहले डिहाइड्रेशन, चक्कर, सांस लेने में दिक्कत और बेहोशी जैसी समस्याएं शुरू होती हैं। इसके बाद दिमाग, दिल और किडनी पर गंभीर असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज धूप में लंबे समय तक रहने, कम पानी पीने और उमस भरे मौसम को हल्के में लेना जानलेवा साबित हो सकता है। इसलिए गर्मी के इस दौर में पर्याप्त पानी पीना, धूप से बचना और शरीर को ठंडा रखना बेहद जरूरी है।

भीषण गर्मी से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

जिले के हर सरकारी अस्पताल में तैयार किया गया हीट स्ट्रोक वार्ड

यूनिक समय, मथुरा। जिले में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और लू के चलते लोगों की परेशानी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कमर कसली है। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। ऐसे हालात को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। लोगों को गर्मी से राहत देने और हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए जिले के हर सरकारी अस्पताल में एक-एक विशेष हीट स्ट्रोक वार्ड तैयार किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जिले के 27 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 12 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पताल अरैर वृंदावन के सरकारी अस्पताल में हीट स्ट्रोक वार्ड बनाए गए हैं।

इन वार्डों में गर्मी से प्रभावित मरीजों के उपचार के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि किसी भी मरीज को परेशानी न हो। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राधाबल्लभ ने बताया कि सभी अस्पतालों में ओआरएस घोल, जरूरी दवाइयां, ठंडा पानी, वाटर कूलर और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि तेज गर्मी में लापरवाही लोगों की सेहत पर भारी पड़ सकती है। इसलिए लोग दोपहर में तेज धूप से बचें, ज्यादा पानी पिएं और जरूरत पड़ने पर तुरंत अस्पताल पहुंचें। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

पीस कमेटी की बैठक में अधिकारियों ने पढ़ाया शांति का पाठ

थाने में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में मौजूद एसडीएम और सीओ आदि।

यूनिक समय, फरह। रविवार को स्थानीय थाने में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में अधिकारियों ने शांति का पाठ पढ़ाया। बकरीद का त्योहार सद्भाव से मनाने को समझाया। कहा कि माहौल खराब करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा।

थाना परिसर में हुई बैठक में एसडीएम सदर आदेश कुमार ने अफवाहों पर ध्यान न देने और इंटरनेट मीडिया पर भड़काऊ संदेश साझा करने से बचने को कहा। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई बनाए रखने और सभी धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने की भी अपील की। सीओ रिफाइनरी अनिल कपरवान ने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्या की जानकारी मिलने पर पुलिस को तत्काल जानकारी उपलब्ध कराएं। प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल ने कुर्बानी से संबंधित शासन और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा।

बैठक में शामिल नागरिकों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया और क्षेत्र में शांति-भाईचारा बनाए रखने का संकल्प लिया। बैठक में राजन सिंह, ओमी प्रधान, मुकीम, जयपाल वटिया के अलावा अन्य नागरिक मौजूद रहे।

भाजपा नेत्री ने किया श्रद्धालुओं की सेवा का शुभारंभ

शिविर लगाकर पूड़ी- सब्जी बांटतीं भाजपा नेत्री सविता सिंह सौरौत।

यूनिक समय, मथुरा। 84 कोस परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं की सेवा और सुविधा के उद्देश्य से भाजपा जिला कार्यकारिणी की विशेष आमंत्रित सदस्य सविता सिंह सौरौत ने ग्राम अड्की स्थित परिक्रा मार्ग पर विशेष सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया।

सविता सिंह सौरौत ने बताया कि शिविर में श्रद्धालुओं के लिए स्नाना, शौच, नाश्ता, भोजन, चाय-पानी सहित आवश्यक दवाइयों, डॉक्टर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। शुभारंभ पर स्थानीय लोगों ने सविता सिंह सौरौत का सम्मान किया। इस मौके पर भावना, सुनीता, राकेश प्रधान, संजीव पचहरा, राजु, जितेन्द्र पहलवान, हरेन्द्र तोमर, पवन कुमार प्रधान, राधेश्याम गिरी, रामवीर सिंह बिष्ट, राकेश नौटियाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सुविचार

"जिज्ञासु बनो– सवाल पूछो, खोजो और पता लगाओ!"

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	05:11-06:22 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	हस्त	04:08-05:56 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:30 AM	चन्द्रोदय	02:48 PM
सूर्यास्त		7:02 PM	चंद्रास्त	02:34 AM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त	11:49AM -12:43PM		ब्रहम् मुहूर्त	03:54-04:42
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	03:39 PM: 05:20 PM		वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

उत्तर-पूर्व दिशा में रखें मिट्टी का घड़ा

नौतपा में बढ़ेगी सुख-समृद्धि

यूनिक समय, मथुरा। नौतपा को साल के सबसे गर्म दिनों का समय माना जाता है। नौतपा आज से से शुरू होकर 2 जून तक रहेगा। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार इन दिनों सूर्य की ऊर्जा सबसे अधिक प्रभावी मानी जाती है। यही वजह है कि नौतपा के दौरान किए गए कुछ विशेष उपाय घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने और आर्थिक परेशानियों को कम करने में सहायक माने जाते हैं। वास्तु शा स्त्र में घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण को बेहद शुभ माना गया है। इसे जल तत्व और धन के देवता कुबेर की दिशा कहा जाता है। मान्यता है कि यदि नौतपा के दौरान इस दिशा में पानी से भरा मिट्टी का घड़ा रखा जाए तो घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता का प्रवाह बढ़ता है। यह उपाय न केवल गर्मी से राहत देता है, बल्कि आर्थिक स्थिति मजबूत करने वाला भी माना जाता है। माना जाता है कि मिट्टी का घड़ा वातावरण की नकारात्मक ऊर्जा को कम कर घर में शांति और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार नौतपा के दौरान सूर्य की तीव्र ऊर्जा जल तत्व के साथ मिलकर सकारात्मक प्रभाव पैदा करती है। यही कारण है कि इन दिनों जल से जुड़े उपाय विशेष फलदायी माने जाते हैं।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

यदि घर में बड़ा मिट्टी का घड़ा रखना संभव न हो तो मिट्टी की सुराही, छोटा गमला, मिट्टी का दीपक या गुल्लक भी रखी जा सकती है।

खास बात यह मानी जाती है कि मिट्टी से जुड़ी वस्तुएं घर की ऊर्जा को संतुलित करने में मदद करती हैं। कई लोग ईशान कोण में तुलसी का पौधा या जल से भरा पात्र रखने को भी शुभ मानते हैं। हालांकि इस उपाय को करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी बताया गया है। वास्तु के अनुसार पानी का घड़ा कभी खाली नहीं रखना चाहिए। टूटा हुआ घड़ा या बर्तन रखना भी अशुभ माना जाता है। इसके अलावा घड़े के आसपास गैस चूल्हा, हीटर या आग से जुड़ी वस्तुएं नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि जल और अग्नि तत्व का टकराव नकारात्मक प्रभाव पैदा कर सकता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नौतपा आत्मशुद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का समय माना जाता है। ऐसे में घर में साफ-सफाई रखना, जल का सम्मान करना और नियमित पूजा-पाठ करना भी शुभ फल देने वाला माना गया है। मान्यता है कि श्रद्धा और सकारात्मक सोच के साथ किए गए ये छोटे-छोटे उपाय घर में सुख, शांति और आर्थिक मजबूती ला सकते हैं।

27 मई में नहीं, जून में आएगी सबसे बड़ी निर्जला एकादशी

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में निर्जला एकादशी को साल की सबसे महत्वपूर्ण एकादशियों में गिना जाता है। इसे भीमसेनी एकादशी, पांडव एकादशी और जेठ एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत को रखने से वर्षभर की सभी एकादशियों का पुण्य फल प्राप्त होता है। यही कारण है कि श्रद्धालु इस एकादशी का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हालांकि इस बार निर्जला एकादशी की तारीख को लेकर लोगों के बीच काफी भ्रम की स्थिति बनी हुई है। कई लोग 27 मई 2026 को निर्जला एकादशी मान रहे हैं, लेकिन पंचांग के अनुसार यह तिथि सही नहीं है। वर्ष 2026 में निर्जला एकादशी 25 जून, गुरुवार को

मनाई जाएगी। दरअसल इस बार अधिक मास लगने के कारण एकादशी की तिथियों में बदलाव हुआ है। 17 मई से अधिक मास शुरू होकर 15 जून तक रहेगा। अधिक मास के दौरान पद्मिनी और परमा एकादशी मनाई जाती हैं, इसलिए निर्जला एकादशी की तारीख एक महीने आगे बढ़ गई है। धार्मिक मान्यता के अनुसार निर्जला एकादशी का व्रत बिना जल ग्रहण किए रखा जाता है। इसे बेहद कठिन व्रत माना गया है। श्रद्धालु भगवान विष्णु की पूजा कर उपवास रखते हैं और अगले दिन विधि-विधान से पारण करते हैं। इस साल निर्जला एकादशी का शुभ मुहूर्त 25 जून की रात 8 बजकर 9 मिनट तक रहेगा। वहीं व्रत का पारण 26 जून को सुबह 5:25 बजे से 8:13 बजे के बीच किया जाएगा। निर्जला एकादशी से जुड़ी कथा महाभारत काल के भीमसेन से जुड़ी मानी जाती है। कहा जाता है कि भीमसेन भोजन के अत्यधिक शौकीन थे और सभी एकादशियों का व्रत नहीं रख पाते थे। तब महर्षि वेदव्यास ने उन्हें केवल निर्जला एकादशी का व्रत रखने की सलाह दी थी। मान्यता है कि इस एक व्रत का फल वर्षभर की सभी एकादशियों के बराबर माना जाता है। तभी से इसे भीमसेनी एकादशी भी कहा जाने लगा।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कामकाज में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पुराने मित्र से मुलाकात खुशी देगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।
वृषभ: रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। व्यापार में लाभ मिलेगा। जीवनसाथी का साथ मन प्रसन्न करेगा। निवेश सोच-समझकर करें। विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है।
मिथुन: दिन उत्साह से भरा रहेगा। नौकरी में सराहना मिल सकती है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। सेहत को लेकर लापरवाही नुकसान पहुंचा सकती है।
कर्क: भावनात्मक निर्णय लेने से बचें। कार्यक्षेत्र में धैर्य रखना लाभकारी रहेगा। घर में शुभ समाचार मिल सकता है। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। पुराने विवाद सुलझने की संभावना बनेगी।
सिंह: आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। करियर में नई उपलब्धि मिल सकती है। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक साबित होगी। स्वास्थ्य में सुधार महसूस करेंगे।
कन्या: व्यापार में लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलेगी। परिवार का सहयोग बना रहेगा।
तुला: दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। कार्यस्थल पर सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।
वृश्चिक: पुरानी योजनाएं सफल हो सकती हैं। धन लाभ के योग बनेंगे। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की चर्चा हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधी छोटी परेशानियां दूर होंगी।
धनु: नौकरी में प्रगति के संकेत मिलेंगे। व्यापार में नई साझेदारी लाभदायक साबित हो सकती है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
मकर: कार्यस्थल पर मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। पुराने मित्र से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।
कुंभ: नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार में खुशियां आएंगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी।
मीन: धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। नौकरी और व्यापार में सफलता के योग हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। पुराने रुके कार्य पूरे होंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और आत्मविश्वास मजबूत होगा।

गरुड़ पुराण: सूर्यास्त के बाद क्यों टालते हैं अंतिम संस्कार

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में मृत्यु के बाद होने वाले संस्कारों को केवल परंपरा नहीं, बल्कि आत्मा की शांति और मोक्ष से जुड़ी आध्यात्मिक प्रक्रिया माना जाता है। यही कारण है कि अंतिम संस्कार से जुड़े नियमों का विशेष महत्व बताया गया है। इनमें सबसे प्रमुख मान्यता यह है कि सूर्यास्त के बाद दाह संस्कार करने से बचना चाहिए। सदियों से चली आ रही इस परंपरा के पीछे धार्मिक, आध्यात्मिक और व्यावहारिक तीनों कारण जुड़े हुए माने जाते हैं।

गरुड़ पुराण में मृत्यु, आत्मा और मोक्ष से संबंधित कई बातों का विस्तार से उल्लेख मिलता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सूर्य देव प्रकाश, ऊर्जा और सकारात्मक शक्ति के प्रतीक माने जाते हैं। दिन के समय किए गए धार्मिक कार्यों को शुभ और देवताओं की कृपा प्राप्त करने वाला माना जाता है। वहीं सूर्यास्त के बाद

का समय नकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा माना गया है। इसी वजह से हिंदू धर्म में पूजा-पाठ, यज्ञ और अधिकतर संस्कार दिन में किए जाते हैं।

मान्यता है कि यदि अंतिम संस्कार सूर्यास्त के बाद किया जाए तो आत्मा को शांति और मोक्ष प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। कुछ धार्मिक मान्यताओं में यह भी कहा गया है कि रात में दाह संस्कार होने पर आत्मा बेचैन रह सकती है। हालांकि इन बातों को आस्था और परंपरा से जोड़कर देखा जाता है।

हिंदू धर्म में अंतिम संस्कार को 16 प्रमुख संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। धार्मिक विश्वास के अनुसार शरीर नश्वर होता है, लेकिन आत्मा अमर रहती है। मृत्यु के बाद आत्मा अपनी अगली यात्रा पर निकलती है, इसलिए दाह संस्कार को पूरी श्रद्धा और विधि-विधान से करना आवश्यक माना जाता है। बड़े-बुजुर्ग भी हमेशा यही सलाह देते हैं कि अंतिम संस्कार सही समय और नियमों के अनुसार किया जाए, ताकि मृत आत्मा को शांति मिल सके।

इसके पीछे केवल धार्मिक कारण ही नहीं, बल्कि पुराने समय की व्यावहारिक सोच भी जुड़ी हुई थी। पहले गांवों और कस्बों में बिजली और आधुनिक सुविधाएं नहीं होती थीं। रात में श्मशान घाट तक पहुंचना कठिन और असुरक्षित माना जाता था। अंधेरा, जंगली जानवरों का खतरा और पर्याप्त लोगों की अनुपस्थिति बड़ी वजहें थीं। अंतिम संस्कार की रस्में सही तरीके से निभाने के लिए रोशनी और लोगों की मौजूदगी जरूरी होती थी, इसलिए दिन का समय अधिक सुरक्षित और उपयुक्त माना गया।

आज भले ही शहरों में इलेक्ट्रिक शवदाह गृह और 24 घंटे सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन अधिकांश परिवार अब भी सूर्यास्त के बाद अंतिम संस्कार से बचते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह धार्मिक आस्था और परंपराओं के प्रति सम्मान है।

भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में रीति-रिवाजों में कुछ अंतर जरूर देखने को मिलता है, लेकिन सामान्य तौर पर दिन में दाह संस्कार को ही शुभ माना जाता है। यही कारण है कि आधुनिक समय में भी यह परंपरा समाज में मजबूती से कायम है।

सम्पादकीय

रेल सुरक्षा में जनता बने सबसे मजबूत प्रहरी

भारतीय रेलवे केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि देश की जीवनरेखा है। हर दिन करोड़ों लोग अपने सपनों, जिम्मेदारियों और जरूरतों के साथ रेल यात्रा करते हैं। ऐसे में ट्रेनों और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी हालिया घटनाएं गंभीर चिंता पैदा करती हैं। विभिन्न राज्यों में ट्रेनों में आगजनी की कोशिशों और रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि खतरा केवल तकनीकी खराबियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका भी गहराती जा रही है। रेलवे की

पवन गौतम
संपादक

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कुछ घटनाएं सामान्य दुर्घटनाएं नहीं थीं। शरारती तत्वों द्वारा जानबूझकर आग लगाने और अफरा–तफरी फैलाने की कोशिश की गई। ऐसे मामलों में आतंकी गतिविधियों की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। हाल ही में उत्तर प्रदेश में एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश हुआ, जो सीमा पार बैठे आकाओं के इशारे पर रेलवे नेटवर्क को नुकसान पहुंचाने की योजना बना रहा था। यह स्थिति बताती है कि रेलवे सुरक्षा अब केवल प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम हिस्सा बन चुकी है। हालांकि भारतीय रेलवे ने सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी सुधार किए हैं। कोचों में आधुनिक अलार्मिंग सिस्टम, फायर डिटेक्शन उपकरण और निगरानी व्यवस्था ने कई हादसों को टालने में मदद की है। इसके बावजूद चुनौती यह है कि रेलवे आम आदमी की सवारी है। लाखों यात्रियों की पूरी तरह सुरक्षा जांच करना व्यावहारिक रूप से कठिन है। यही कारण है कि केवल सुरक्षा बलों के भरोसे सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत नहीं किया जा सकता। पहलगाम आतंकी हमले की जांच में भी यह तथ्य सामने आया कि यदि स्थानीय लोग समय रहते संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देते, तो कई निर्दोष जानें बच सकती थीं। यही सीख रेलवे सुरक्षा पर भी लागू होती है। यात्रियों और आम नागरिकों की सजगता सबसे बड़ी सुरक्षा ढाल बन सकती है। यदि कोई संदिग्ध वस्तु, व्यक्ति या गतिविधि नजर आए तो तुरंत रेलवे पुलिस या सुरक्षा बलों को सूचना देना हर नागरिक का दायित्व होना चाहिए। साथ ही सुरक्षा एजेंसियों को भी ऐसा भरोसेमंद वातावरण बनाना होगा, जहां आम लोग बिना भय और संकोच के जानकारी साझा कर सकें। रेल सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नागरिक और व्यवस्था के साझा सहयोग से ही मजबूत हो सकती है।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

राजनीति जनहित पर हो, धार्मिक टकरावों पर नहीं

ललित गर्ग

भारतीय राजनीति का वर्तमान दौर एक ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है, जहां विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समरसता जैसे बुनियादी मुद्दों की जगह धर्म और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े विवाद अधिक चर्चा में रहने लगे हैं। विशेष रूप से "सनातन समर्थन" और "सनातन विरोध" का विमर्श पिछले कुछ वर्षों में राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है। यह स्थिति केवल चुनावी रणनीति का हिस्सा नहीं रह गई, बल्कि समाज की भावनाओं, सांस्कृतिक चेतना और लोकतांत्रिक संवाद को भी प्रभावित करने लगी है। सवाल यह नहीं कि किसी विचारधारा या परंपरा से सहमति क्यों है या असहमति क्यों है, बल्कि असली प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का मूल उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान होना चाहिए या धार्मिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देना?

भारत एक बहुलतावादी और लोकतांत्रिक राष्ट्र है, जिसका संविधान सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान की भावना पर आधारित है। यहां राज्य का काम किसी धर्म का समर्थन या विरोध करना नहीं, बल्कि हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों से भी यही अपेक्षा की जाती है कि वे जनता के जीवन से जुड़े वास्तविक मुद्दों को प्राथमिकता दें। लेकिन वर्तमान समय में राजनीतिक बहस का बड़ा हिस्सा धार्मिक प्रतीकों, आस्थाओं और सांस्कृतिक पहचान के इर्द–गिर्द घूमता दिखाई देता है। इससे लोकतंत्र के मूल सरोकार पीछे छूटने लगे हैं।

सनातन केवल धार्मिक पहचान का विषय नहीं है। यह भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन–दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक माना जाता है। "वसुधैव कुटुम्बकम्", "सर्वे भवन्तु सुखिनः" और "सत्यं वद, धर्मं चर" जैसे विचार इसी परंपरा की देन हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक नेता सनातन को लेकर असंतुलित या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से किए गए बयान पर देशभर में प्रतिक्रिया इसी कारण देखने को मिली। करोड़ों लोगों ने इसे अपनी आस्था और सांस्कृतिक पहचान पर टिप्पणी के रूप में महसूस किया।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातीय भेदभाव और असमानता के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात कर रहे हैं। लोकतंत्र में यह दृष्टिकोण पूरी तरह स्वीकार्य है, क्योंकि हर समाज और परंपरा में सुधार की आवश्यकता बनी रहती है। भारतीय इतिहास स्वयं इस बात का प्रमाण है कि यहां संवाद, बहस और आत्मचिंतन की समृद्ध परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, गुरु नानक, स्वामी दयानंद और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उनका उद्देश्य समाज को तोड़ना नहीं, बल्कि उसे अधिक मानवीय और समरस बनाना था।

समस्या तब पैदा होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की बजाय अस्वीकार और अपमान की भाषा में बदल जाती है, तब समाज में विभाजन और ध्रुवीकरण बढ़ने लगता है। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकती है। यहां धार्मिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को समझना आवश्यक है। किसी भी दल या नेता को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय समाज अपनी परंपराओं और आस्थाओं से गहरे भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है।

पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावशाली रूप में सामने आया है। इसका राजनीतिक लाभ भी सत्तारूढ़ दल को मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल कई बार इस बदलते सामाजिक मानस को समझने में असहज दिखाई दिए। कहीं धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बिगड़ा, तो कहीं कुछ नेताओं के बयान जनता के बीच नकारात्मक संदेश देने लगे।

लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौतियां, कृषि संकट, पर्यावरणीय खतरे और आर्थिक असमानता जैसे मुद्दे पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता गंभीर है। जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। भारतीय राजनीति को "धर्म बनाम धर्म" की बहस से ऊपर उठकर "जन बनाम जनसमस्या" की दिशा में आगे बढ़ना होगा। लोकतंत्र में आलोचना और मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उनका स्वर ऐसा होना चाहिए जो समाज को जोड़ने का काम करे। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है तो वह सम्मानजनक और रचनात्मक भाषा में होनी चाहिए।

सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य विचारों के प्रति असहिष्णुता भी नहीं होना चाहिए। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां वेद भी हैं और संविधान भी, शंकराचार्य भी हैं और बुद्ध भी, कबीर भी हैं और गांधी भी। भारतीय सभ्यता ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। यही कारण है कि "वसुधैव कुटुम्बकम्" का संदेश आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक माना जाता है। राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले, न कि ऐसी बयानबाजी करे जिससे सामाजिक तनाव बढ़े।

आज राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं –धार्मिक विवादों की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर। यदि राजनीति केवल आस्था के मुद्दों में उलझी रहेगी तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ सकेगा।

सनातन का वास्तविक अर्थ शाश्वत और समावेशी है। यह करुणा, सहअस्तित्व और सबको साथ लेकर चलने की भावना सिखाता है। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध–समर्थन या अंध–विरोध समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता विवेकपूर्ण दृष्टि, संतुलित राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि वह आस्था का सम्मान करे, लेकिन राजनीति को जनहित का माध्यम बनाए। तभी लोकतंत्र भी मजबूत होगा और समाज भी समरस बना रहेगा।

विचार विण्डो

भारतीय मीडिया ने दुनिया में बनाई नई पहचान

प्रो. संजय द्विवेदी

भारतीय पत्रकारिता केवल समाचारों के प्रसारण का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जागरण और सांस्कृतिक चेतना को दिशा देने का काम भी किया है। आज जब मीडिया के स्वरूप में तेजी से बदलाव आ रहा है और डिजिटल प्लेटफॉर्म दुनिया को एक वैश्विक गांव में बदल रहे हैं, तब भारतीय मीडिया की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। एक ओर जहां मीडिया लोकतंत्र की आवाज को मजबूत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर उसने भारत की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में भी बड़ी भूमिका निभाई है।

भारत में पत्रकारिता का इतिहास संघर्ष, साहस और जनजागरण से भरा हुआ है। देश में पत्रकारिता की शुरुआत केवल खबर देने के उद्देश्य से नहीं हुई थी, बल्कि वह अन्याय और दमन के विरुद्ध आवाज उठाने का माध्यम बनी। जेम्स ऑगस्टस हिकी ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ अपनी निर्भीक लेखनी से यह साबित कर दिया था कि पत्रकारिता सत्ता से सवाल पूछने का साहस रखती है। इसके बाद स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पत्रकारिता ने एक नए रूप में जन्म लिया। अखबार केवल समाचार पत्र नहीं रहे, बल्कि स्वतंत्रता का संदेश देने वाले आंदोलनकारी मंच बन गए।

देश के लगभग सभी महान स्वतंत्रता सेनानियों और विचारकों ने पत्रकारिता को अपने विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया। लोकमान्य तिलक, लाला लाजपत राय, सुभाषचंद्र बोस और महात्मा गांधी जैसे नेताओं ने अखबारों और पत्रिकाओं के जरिए राष्ट्र चेतना जगाने का कार्य किया। पत्रकारिता उस दौर में जनपक्षधरता, न्याय और स्वतंत्रता के संघर्ष की आवाज बन गई थी। यही कारण है कि भारतीय पत्रकारिता की बुनियाद केवल सूचना नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय चेतना पर टिकी हुई है। आजादी के बाद भी भारतीय मीडिया ने देश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चाहे लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने का दौर हो या आपातकाल जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां, पत्रकारिता ने अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास किया। समय के साथ मीडिया का स्वरूप

बदलता गया। प्रिंट मीडिया से आगे बढ़कर रेडियो, टेलीविजन और अब डिजिटल मीडिया ने सूचना जगत को पूरी तरह बदल दिया है। मोबाइल फोन आज मीडिया का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। लोग खबरें पढ़ने से अधिक देखने और सुनने लगे हैं। डिजिटल मीडिया का प्रभाव इतना व्यापक हो चुका है कि दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति भारत की घटनाओं, संस्कृति और विचारों से तुरंत जुड़ सकता है। डिजिटल क्रांति ने भारतीय भाषाओं को भी नई ताकत दी है। पहले भारतीय भाषाओं का साहित्य, समाचार और सांस्कृतिक सामग्री सीमित दायरे तक पहुंच पाती थी, लेकिन अब इंटरनेट और सोशल मीडिया ने भाषाई सीमाओं को तोड़ दिया है। यूट्यूब, पॉडकास्ट, वेब पोर्टल, ई–पेपर और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए भारतीय भाषाएं वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। दुनिया के विभिन्न देशों में रहने वाले भारतीय अब अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं से पहले की तुलना में कहीं अधिक आसानी से जुड़े रह सकते हैं। यही कारण है कि भारतीय मीडिया आज केवल देश के भीतर ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की पहचान को मजबूत करने का काम कर रहा है।

भारतीय मीडिया की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता है। दुनिया के अधिकांश देश एक भाषा में सोचते और संवाद करते हैं, जबकि भारत में दर्जनों भाषाएं और सैकड़ों बोलियां हैं। इसके बावजूद भारतीय मीडिया ने देश की सांस्कृतिक एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक पत्रकारिता ने भारत बोध को मजबूत किया है। विभिन्न भाषाओं के पत्रकारों और साहित्यकारों ने अपने–अपने माध्यमों से राष्ट्रीय चेतना को स्वर दिया। यही कारण है कि भारत की विविधता उसके विभाजन का कारण नहीं बनी, बल्कि उसकी सांस्कृतिक शक्ति का आधार बनी। भारतीय पत्रकारिता का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि उसने केवल सूचनाओं का आदान–प्रदान नहीं किया, बल्कि समाज को दिशा देने का कार्य भी किया। पत्रकारिता ने लोगों को उनके इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया। साहित्य, मीडिया और प्रदर्शन कलाओं ने मिलकर समाज में जागरूकता और आत्मविश्वास पैदा किया। यही वजह है कि लंबे समय तक गुलामी और वैचारिक संघर्षों के बावजूद भारत की सांस्कृतिक चेतना कमजोर नहीं हुई।

हालांकि वर्तमान समय में मीडिया के सामने कई चुनौतियां भी हैं। फेक न्यूज, टीआरपी की होड़, राजनीतिक ध्रुवीकरण और कॉरपोरेट दबाव जैसी समस्याएं पत्रकारिता की विश्वसनीयता को प्रभावित कर रही हैं। सोशल मीडिया ने जहां अभिव्यक्ति को आसान बनाया है, वहीं गलत सूचनाओं के प्रसार को भी तेज कर दिया है। ऐसे समय में पत्रकारिता के मूल मूल्यों – जनपक्षधरता, निष्पक्षता और सत्यान्वेषण – को बचाए रखना बेहद आवश्यक है। मीडिया यदि केवल सनसनी और प्रचार का माध्यम बन जाएगा, तो लोकतंत्र कमजोर होगा। लेकिन यदि वह सच और समाज के पक्ष में खड़ा रहेगा, तो उसकी विश्वसनीयता और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे।

भारतीय पत्रकारिता की असली शक्ति उसकी सामाजिक जिम्मेदारी में है। उसे केवल सत्ता की आलोचना या समर्थन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज को जागरूक, शिक्षित और एकजुट करने की भूमिका निभानी चाहिए। भारत जैसे विशाल और विविध देश में मीडिया केवल सूचना का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता का सूत्र भी है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय मीडिया अपनी ऐतिहासिक विरासत को समझे और नई तकनीकों का उपयोग करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को और मजबूत बनाए। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल खबर देना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देना भी है। यही वह शक्ति है जिसने भारत को दुनिया में एक अलग पहचान दिलाई है और यही वह माध्यम है जो देश को उसकी जड़ों से जोड़कर भविष्य की ओर आगे बढ़ा सकता है।

गुजरात के खिलाफ पहले क्वालीफायर में उतरेगी बेंगलुरु

एक और खिताबी मुकाबले की दहलीज पर बेंगलुरु

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के लीग मुकाबले समाप्त हो चुके हैं और अब क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें अंतिम चरण के मुकाबलों पर टिकी हैं। मौजूदा विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 26 मई को पहले क्वालीफायर में गुजरात टाइटंस का सामना करेगी। धर्मशाला के एचपीसीए मैदान में होने वाला यह मुकाबला बेहद रोमांचक माना जा रहा है। दोनों टीमों ने लीग चरण में शानदार प्रदर्शन किया और अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान हासिल किए। ऐसे में यह मुकाबला खिताबी दौड़ के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण होगा। पिछले सत्र में पहली बार आईपीएल का खिताब जीतने वाली बेंगलुरु की टीम इस बार भी आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही है। टीम का लक्ष्य लगातार दूसरे साल फाइनल में पहुंचकर एक और खिताब अपने नाम करना है। हालांकि अंतिम

चरण में बेंगलुरु का रिकॉर्ड अब तक उतार–चढ़ाव भरा रहा है। आईपीएल इतिहास में बेंगलुरु की टीम अब तक कुल 18 अंतिम चरण के मुकाबले खेल चुकी है। इनमें उसे 8 मैचों में जीत मिली, जबकि 10 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। टीम चार बार खिताबी मुकाबले तक पहुंची, लेकिन केवल एक बार ही विजेता बनने में सफल रही। यह सफलता उसे पिछले सत्र में मिली थी, जब टीम ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की थी। अंतिम चरण की वर्तमान व्यवस्था लागू होने के बाद बेंगलुरु तीन बार पहले क्वालीफायर और तीन बार दूसरे क्वालीफायर में पहुंच चुकी है। इसके अलावा टीम पांच बार बाहर होने वाले मुकाबले भी खेल चुकी है। पहले क्वालीफायर में टीम का प्रदर्शन अच्छा माना जाता है। बेंगलुरु ने तीन में से दो मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई है। हालांकि दूसरे क्वालीफायर में उसका प्रदर्शन कमजोर रहा और उसे तीन में से केवल एक मुकाबले में जीत मिली। बाहर होने वाले मुकाबलों में भी बेंगलुरु का रिकॉर्ड खास प्रभावशाली नहीं रहा है। टीम ने पांच में से सिर्फ दो मुकाबले जीते हैं। इसके बावजूद इस सत्र में टीम का आत्मविश्वास काफी मजबूत नजर आ रहा है। आईपीएल 2026 में बेंगलुरु ने लीग चरण में बेहतरीन खेल दिखाया। टीम ने 14 मुकाबलों में 9 जीत दर्ज कीं और 18 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। गुजरात और हैदराबाद के भी समान अंक थे, लेकिन बेहतर रन गति के कारण बेंगलुरु पहले स्थान पर रही। अब सभी की नजरें पहले क्वालीफायर पर टिकी हैं। प्रशंसकों को उम्मीद है कि टीम एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरे साल खिताबी मुकाबले में जगह बनाएगी और नया इतिहास रचेगी।

रोज 2 पिज्जा और 3 ब्राउनी खाती थीं सारा अली खान

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान आज अपनी फिटनेस और ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब वह जंक फूड की बेहद शौकीन थीं। हाल ही में सारा ने अपनी पुरानी लाइफस्टाइल और खाने की आदतों को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने बताया कि फिल्मों में आने से पहले उनका खान–पान बिल्कुल अनहेल्दी था, जिसकी वजह से उनका वजन काफी बढ़ गया था। बाद में उन्होंने मेहनत और अनुशासन के दम पर करीब 45 किलो वजन कम किया। एक इंटरव्यू में सारा अली खान ने बताया कि न्यूयॉर्क में पढ़ाई के दौरान वह लगभग हर दिन दो मीडियम साइज पिज्जा खाती थीं। उन्होंने कहा कि वहां चल रहे कॉम्बो ऑफर के कारण एक पिज्जा खरीदने पर दूसरा आधी कीमत में मिल जाता था, इसलिए उन्हें यह काफी फायदे का सौदा लगता था।

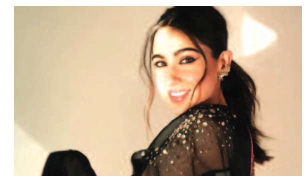

अभिनेत्री ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उस समय उन्होंने यह नहीं सोचा था कि इसका असर उनके वजन पर भी पड़ेगा। सारा ने यह भी बताया कि उनका नाश्ता भी काफी अनहेल्दी होता था। वह सुबह तीन चॉकलेट चिप ब्राउनी खा लेती थीं। कॉलेज के दिनों में उनकी पूरी लाइफस्टाइल जंक फूड पर आधारित थी और उन्हें अपनी सेहत की ज्यादा चिंता नहीं थी। हालांकि, फिल्मों में करियर बनाने का फैसला करने के बाद सारा ने अपनी जिंदगी पूरी तरह बदल दी। नियमित वर्कआउट, हेल्दी डाइट और अनुशासित दिनचर्या अपनाकर उन्होंने करीब 45 किलो वजन कम किया। आज सारा फिटनेस को अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा मानती हैं।

मायरा की जिंदगी में मिस्ट्री मैन की एंट्री से बढ़ेगी मुश्किल

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकप्रिय टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। शो में छोटे जनरेशन लीप के बाद कहानी में नया सस्पेंस और हाई वोल्टेज ड्रामा जुड़ने जा रहा है। आने वाले एपिसोड्स में अरमान और अभिरा की बेटी मायरा की जिंदगी में एक मिस्ट्री मैन की एंट्री होगी, जो पूरे परिवार के लिए परेशानी बन जाएगा। शो में मायरा का किरदार निभा रहीं अर्शिया शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर आगामी ट्रैक की झलक दी है। वीडियो में एक अनजान शख्स मायरा को लव लेटर भेजता और अकेले मिलने के लिए बुलाता नजर आता है। शुरुआत में मायरा इस बात को नजरअंदाज करती है, लेकिन बाद में उसे एहसास होता है कि कोई लगातार उसका पीछा कर रहा है। डर के कारण वह यह बात परिवार से छिपा लेती है। दूसरी ओर, अरमान की अचानक तबीयत बिगड़ने से परिवार में तनाव बढ़ जाता है। अभिरा अपने पति और बेटी दोनों को लेकर परेशान हो जाती है। धीरे–धीरे उसे पता चलता है कि मायरा किसी खतरनाक स्टॉकर के निशाने पर है। इसके बाद अभिरा अपनी बेटी की सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क हो जाती है। आने वाले एपिसोड्स में दर्शकों को इमोशनल ड्रामा, सस्पेंस और कई चौंकाने वाले खुलासे देखने को मिलेंगे।

30 साल बाद भारत लौटी मीनाक्षी शेषाद्रि

कभी माधुरी दीक्षित को दी थी कड़ी टक्कर

यूनिक समय, नई दिल्ली। 1980 और 1990 के दशक की चर्चित अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि एक बार फिर अभिनय की दुनिया में वापसी करने जा रही हैं। करीब 30 साल तक अमेरिका में रहने के बाद अब वह मुंबई लौट आई हैं और फिल्मों के साथ–साथ ओटीटी मंचों पर भी दमदार किरदारों की तलाश कर रही हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में उन्होंने अपने प्रशंसकों को इस नई शुरुआत की जानकारी दी। मीनाक्षी ने कहा कि उनके लिए भूमिका छोटी या बड़ी होना मायने नहीं रखता, बल्कि किरदार मजबूत और प्रभावशाली होना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत लौटने के बाद उन्हें कई प्रस्ताव मिले, लेकिन कुछ कहानियां उन्हें खास पसंद नहीं आईं। फिलहाल वह बिना किसी जनसंपर्क संस्था या प्रतिभा प्रबंधन संस्था की मदद के खुद ही अपने काम को संभाल रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वह इस समय अमेरिका के बोस्टन शहर में परिवार के साथ हैं और अपने बेटे की पढ़ाई पूरी होने का जश्न मना रही हैं। छुट्टियों के बाद वह पूरी तरह काम पर ध्यान देंगी। मीनाक्षी शेषाद्रि ने 1983 में फिल्म 'पेंटर बाबू' से करियर की शुरुआत की थी। 'हीरो', 'घायल', 'शहंशाह', 'मेरी जंग' और 'दामिनी' जैसी फिल्मों ने उन्हें बड़ी पहचान दिलाई। अब प्रशंसक उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

विजय के जन्मदिन से पहले सिनेमाघरों में दे सकती है दस्तक

सेंसर बोर्ड की मंजूरी का इंतजार

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायगन' एक बार फिर चर्चा में है। लंबे समय से रिलीज का इंतजार कर रहे फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आई है। टिकट बुकिंग ऐप्स पर फिल्म की रिलीज डेट दिखाई देने के बाद सोशल मीडिया पर हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि विजय की यह आखिरी फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। बुकिंग प्लेटफॉर्म बुक माई शो और डिस्ट्रिक्ट ऐप पर 'जन नायगन' की रिलीज डेट 19 जून दिखाई गई है। खास बात यह है कि यह तारीख विजय के 52वें जन्मदिन से सिर्फ तीन दिन पहले पड़ रही है। ऐसे में फैंस इस मौके को खास अंदाज में मनाने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म के निर्माताओं की ओर से अभी तक रिलीज डेट की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। निर्माता कंपनी केवीएन प्रोडक्शंस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, फिल्म फिलहाल सेंसर बोर्ड यानी सीबीएफसी के सर्टिफिकेट का इंतजार कर रही है। मेकर्स 19 जून के आसपास फिल्म रिलीज करना चाहते हैं, लेकिन अंतिम फैसला सेंसर प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लिया

जाएगा। फिल्म पहले पोंगल के मौके पर 9 जनवरी को रिलीज होने वाली थी, लेकिन कुछ विवादों और तकनीकी कारणों की वजह से इसकी रिलीज टाल दी गई। बताया जा रहा है कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म में धार्मिक सौहार्द और आर्म्ड फोर्सेस से जुड़े कुछ दृश्यों पर आपत्ति जताई थी, जिसके कारण प्रक्रिया में देरी हुई। इसके अलावा अप्रैल में फिल्म का एक हिस्सा ऑनलाइन लीक होने से भी मेकर्स को बड़ा झटका लगा था। 'जन नायगन' एक पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें एक आम आदमी के अन्याय के खिलाफ संघर्ष की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। इसमें विजय के साथ पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, प्रकाश राज, प्रियामणि और गौतम वासुदेव मेनन जैसे कलाकार नजर आएंगे। वहीं, फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है।

जून बनेगा क्रिकेट का सुपर महीना

टीम इंडिया खेलेगी टेस्ट, वनडे और टी 20 की सीरीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीम इंडिया जून 2026 में लगातार क्रिकेट एक्शन में नजर आएगी। अगले महीने भारतीय टीम टेस्ट, वनडे और टी 20 तीनों फॉर्मेट में कुल छह इंटरनेशनल मुकाबले खेलेगी। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए जून का महीना बेहद रोमांचक रहने वाला है, क्योंकि भारत की भिड़ंत अफगानिस्तान और आयरलैंड जैसी टीमों से होगी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 6 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से करेगी। यह मुकाबला न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। हालांकि यह मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं होगा, लेकिन टीम इंडिया इसे जीतकर आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी।

यह मुकाबला 10 जून तक चल सकता है। इसके बाद भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे 14 जून, दूसरा 17 जून और तीसरा मुकाबला 20 जून को होगा। यह सीरीज अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। हालांकि रोहित शर्मा की फिटनेस पर अभी नजर बनी हुई है।

अफगानिस्तान और आयरलैंड के खिलाफ कुल छह इंटरनेशनल मुकाबले खेलेगी भारतीय टीम

अफगानिस्तान सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम आयरलैंड दौरे पर जाएगी। वहां दोनों टीमों के बीच दो टी20 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। पहला टी20 मुकाबला 26 जून और दूसरा 28 जून को आयोजित होगा। लगातार अलग–अलग फॉर्मेट में मुकाबले होने के कारण कई खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी सबकी नजर रहेगी। जून का महीना भारतीय क्रिकेट टीम के लिए व्यस्त और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है।

मई में बॉक्स ऑफिस पर छाया सन्नाटा

'राजा शिवाजी' ने बजाया सफलता का डंका

यूनिक समय, नई दिल्ली। मई 2026 में कई बड़ी बॉलीवुड और क्षेत्रीय फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हुईं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ज्यादातर फिल्में उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं। इस महीने रिलीज हुई चार प्रमुख फिल्मों में केवल 'राजा शिवाजी' ने शानदार प्रदर्शन किया, जबकि बाकी फिल्मों का कलेक्शन फीका रहा। 1 मई को रिलीज हुई 'राजा शिवाजी' इस महीने की सबसे बड़ी हिट साबित हुई। रितेश देशमुख स्टारर इस फिल्म को खासकर महाराष्ट्र में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। संजय दत्त, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे सितारों से सजी इस फिल्म ने दुनियाभर में करीब 120 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, संजय दत्त की 'आखरी सवाल' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह संघर्ष करती नजर आई। फिल्म पहले हफ्ते में सिर्फ 3.36 करोड़ रुपये ही कमा सकी। नीतू कपूर और कपिल शर्मा की 'दादी की शादी' भी दर्शकों को प्रभावित नहीं कर पाई और करीब 8.14 करोड़ रुपये का कारोबार ही कर सकी। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की 'पति–पत्नी और वो 2' ने लगभग 50 करोड़ रुपये कमाए, लेकिन इसे बड़ी सफलता नहीं माना जा रहा है।

गुलमर्ग गोंडोला रुकने से हवा में फंसे 300 पर्यटक

तकनीकी खराबी से बीच रास्ते थमी केबल कार

यूनिक समय, लखनऊ। जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब गुलमर्ग गोंडोला में तकनीकी खराबी आने से केबल कार सेवा अचानक बीच रास्ते में रुक गई। इस घटना के बाद करीब 300 पर्यटक अलग-अलग केबिनों में हवा में ही फंस गए।

जानकारी के मुताबिक गोंडोला का संचालन सामान्य रूप से चल रहा था, तभी अचानक तकनीकी गड़बड़ी आ गई और केबल कार आगे बढ़ना बंद हो गई। देखते ही देखते पर्यटकों में घबराहट फैल गई। कई लोग लंबे समय तक हवा में लटके रहने के कारण भयभीत नजर आए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। बचाव दल ने फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत अभियान शुरू कर दिया। अधिकारियों के अनुसार तकनीकी विशेषज्ञ भी खराबी को दूर करने में जुट गए हैं। प्रशासन का कहना है कि

स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सभी पर्यटक सुरक्षित हैं।

करीब तीन सौ यात्रियों का बचाव अभियान जारी

अब तक किसी के घायल होने या किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। गुलमर्ग गोंडोला देश की सबसे लोकप्रिय केबल कार सेवाओं में गिनी जाती है, जहां हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक घूमने पहुंचते हैं। घटना के बाद पर्यटकों और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल बन गया है।

जिप लाइन हादसे में किशोर की दर्दनाक मौत

सेफ्टी बेल्ट खुलते ही नीचे गिरा बच्चा माता-पिता के सामने टूट गई जिंदगी

यूनिक समय, आगरा। आगरा के ताजगंज क्षेत्र में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। फिरोजाबाद से परिवार संग घूमने आए 16 वर्षीय कुनाल अग्रवाल की जिप लाइन से गिरकर मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह करीब 45 फीट ऊंचाई पर एडवेंचर राइड का आनंद ले रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुनाल को कर्मचारियों ने जिप लाइन पर सुरक्षा बेल्ट बांधकर दूसरे छोर की ओर भेजा था। लेकिन कुछ ही सेकंड बाद बेल्ट का हुक अचानक खुल गया और वह नीचे गिर पड़ा। गिरते समय वह लोहे की जाली से टकराया और फिर जमीन पर जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कुनाल के छोटे भाई ने पूरी घटना का वीडियो बनाया, जो अब सामने आया है। बेटे को गिरता देख माता-पिता दौड़ पड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता पंकज अग्रवाल ने आरोप लगाया कि संचालकों की लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी ने उनके बेटे की

जान ले ली। उन्होंने कहा कि न तो हेलमेट दिया गया और न ही मौके पर प्राथमिक उपचार की कोई व्यवस्था थी।

घटना के बाद पुलिस ने जिप लाइन संचालन बंद करा दिया है। संचालक और संबंधित कर्मचारियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में लापरवाही, सुरक्षा में कमी और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस कमिश्नर ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। शुरुआती जांच में सुरक्षा इंतजामों में गंभीर खामियां सामने आई हैं।

अलीगढ़ मुठभेड़ में दो कुख्यात लुटेरे ढेर हुए

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ में महिलाओं से लूटपाट करने वाले दो कुख्यात बदमाश पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। दोनों आरोपी कई दिनों से पुलिस की निगरानी में थे और लगातार ग्रामीण इलाकों में महिलाओं को निशाना बना रहे थे। रविवार दोपहर भी उन्होंने एक महिला से कुंडल लूट लिए थे, जिसके बाद पुलिस ने पूरे इलाके में घेराबंदी तेज कर दी। देर शाम मढौली गांव के पास पुलिस ने बाइक सवार दोनों बदमाशों को रोकने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने रुकने के बजाय फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। मारे गए बदमाशों की पहचान हापुड़ निवासी रजा मोहम्मद और बुलंदशहर निवासी मोमीन के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, रजा मोहम्मद पर करीब 40 मुकदमे दर्ज थे, जबकि मोमीन पर 27 मामले चल रहे थे। दोनों

महिलाओं से दिनदहाड़े लूटपाट कर रहे थे बदमाश

महिलाओं से जेवर लूटने और हथियारों के बल पर वारदात करने के लिए कुख्यात थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से अवैध हथियार और बाइक बरामद की है। अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बिजली कटौती पर सख्त हुए सीएम योगी

शहरों में 24 और गांवों में 18 घंटे आपूर्ति के निर्देश

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच बढ़ती बिजली कटौती को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाया है। राजधानी लखनऊ समेत कानपुर, मेरठ, बरेली, अलीगढ़, चंदौली और बांदा सहित कई जिलों में बिजली संकट से परेशान लोगों की शिकायतों के बाद मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग और पावर कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में सीएम योगी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बिजली आपूर्ति में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिया कि शहरी क्षेत्रों में 24 घंटे और ग्रामीण इलाकों में कम से कम 18 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही

बिजली उत्पादन की सभी इकाइयों को पूरी क्षमता से संचालित करने के निर्देश भी दिए गए। मुख्यमंत्री ने ट्रांसमिशन नेटवर्क मजबूत करने, फीडरवार मॉनिटरिंग बढ़ाने और उपभोक्ताओं की शिकायतों का तुरंत निस्तारण करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आम लोगों को बिजली संकट से राहत मिलनी चाहिए और इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ काम करें। सीएम योगी ने चेतावनी दी कि आदेशों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों पर

ऊर्जा मंत्री ने कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

सख्त कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में गाजियाबाद और मेरठ के कुछ इंजीनियरों तथा पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन के अधिकारियों पर कार्रवाई भी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद ऊर्जा मंत्री एके शर्मा भी सक्रिय नजर आए। उन्होंने लखनऊ स्थित 1912 कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और उपभोक्ताओं से सीधे बातचीत कर शिकायतों के त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। प्रदेशभर के कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं।

यूपी में पंचायत चुनाव टलने से बढ़ा प्रधानों का कार्यकाल

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव समय पर नहीं होने के कारण सभी ग्राम प्रधानों का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। प्रदेश की ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 26 मई को समाप्त हो रहा था। ग्राम प्रधान संगठनों ने मांग की थी कि चुनाव होने तक वर्तमान प्रधानों को ही पंचायत संचालन की जिम्मेदारी दी जाए। सरकार ने इस पर सहमति जताते हुए आदेश जारी कर दिया। प्रदेश में करीब 57 हजार 694 ग्राम पंचायतें हैं। पहली बार प्रशासनिक समितियां भी गठित की जाएंगी, जो पंचायतों के कामकाज की निगरानी करेंगी। सरकार का कहना है कि इससे गांवों में विकास कार्य प्रभावित नहीं होंगे।

खड़े ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कैश वैन

यमुना एक्सप्रेसवे हादसे में कैश वैन चालक की मौत

यूनिक समय, आगरा। आगरा के यमुना एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खंदौली क्षेत्र के नादऊ कट के पास एक बैंक की कैश वैन खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में वैन सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब साढ़े 11 बजे हुआ। कैश वैन तेज रफ्तार में एक्सप्रेसवे से गुजर रही थी, तभी सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से भिड़ गई। टक्कर के बाद जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला।

सूचना मिलते ही पुलिस और एक्सप्रेसवे सुरक्षा टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। तीन घायलों का

तीन घायल कर्मचारियों का अस्पताल में इलाज जारी

इलाज एसएन मेडिकल कॉलेज में जारी है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

हादसे के बाद कुछ समय के लिए एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सामान्य कराया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ट्रक सड़क किनारे खड़ा था और संभवतः चालक को उसका अंदाजा नहीं लग सका।

पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। एक्सप्रेसवे पर खड़े भारी वाहनों और तेज रफ्तार को लेकर एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

ताजमहल की नक्काशी ने सभी को मोहा

ताजमहल देखकर भावुक हुईं रूबियो की पत्नी जेनेट

यूनिक समय, आगरा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो सोमवार को पत्नी जेनेट रूबियो के साथ ताजमहल पहुंचे। दोनों ने करीब 45 मिनट तक ताजमहल परिसर का भ्रमण किया और इसकी अद्भुत वास्तुकला को करीब से देखा। भीषण गर्मी और 41 डिग्री तापमान के बावजूद दोनों स्मारक की खूबसूरती से बेहद प्रभावित नजर आए।

मार्को और जेनेट ने मशहूर डायना बेंच पर बैठकर तस्वीरें खिंचवाईं। गाइड नितिन सिंह ने उन्हें ताजमहल के इतिहास, संगमरमर की नक्काशी और निर्माण से जुड़ी विशेष जानकारियां दीं। बातचीत के दौरान मार्को रूबियो ने पूछा कि ताजमहल के निर्माण में कितने लोग शामिल थे और इसे तैयार होने में कितना समय लगा था।

जेनेट रूबियो ने ताजमहल को "बेहद खूबसूरत" बताया और कहा कि अगली बार वह अपने बच्चों को भी यहां लेकर आना चाहेंगी। उन्होंने सूर्योदय के समय ताजमहल देखने की इच्छा भी जताई। बताया गया कि रूबियो दंपती अपने चार बच्चों के साथ भविष्य में दोबारा भारत यात्रा की योजना बना सकते हैं।

विदेश मंत्री के साथ करीब 60 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल भी आगरा पहुंचा था। एयरपोर्ट पर प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद वे सीधे ताजमहल पहुंचे। सुरक्षा कारणों से परिसर में कुछ समय के लिए बैरिकेडिंग की गई और पर्यटकों की आवाजाही सीमित रखी गई।

ताजमहल भ्रमण के बाद प्रतिनिधिमंडल शहर के एक होटल में पहुंचा, जहां लंच के बाद वे विशेष विमान से जयपुर रवाना हो गए। माना जा रहा है कि यह दौरा भारत और अमेरिका के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

साध्वियों की मौत पर देशभर में जैन समाज आक्रोशित

यूनिक समय, नई दिल्ली। रीवा में दो जैन साध्वियों की सड़क हादसे में हुई मौत के बाद देशभर में जैन समाज में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में सोमवार को समाज के लोगों ने मौन जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया और संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई। समाजजन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप रहे हैं। दरअसल, 20 मई को रीवा कलेक्ट्रेट के सामने सड़क किनारे विहार

मौन जुलूसों से उठी संत सुरक्षा मांग

केंद्रीय जांच और सख्त कार्रवाई की मांग

कर रही तीन जैन साध्वियों को तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी थी। हादसे में पूज्य श्रुतमति माताजी और उपशममति माताजी का समाधिमरण हो गया, जबकि एक अन्य आर्यिका माताजी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला और संवेदनशील हो गया है। जैन समाज और कई संगठनों का आरोप है कि यह केवल सड़क हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित साजिश भी हो सकती है। इसी कारण समाज हत्या की धाराएं जोड़ने, विशेष जांच दल या केंद्रीय जांच कराने और सभी डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने की मांग कर रहा है। विदिशा, इंदौर, मंडला, बैतूल, रतलाम, अशोकनगर, इटारसी और पन्ना समेत कई शहरों में हजारों लोगों ने हाथों में तख्तियां और काली पट्टियां बांधकर शांतिपूर्ण मार्च निकाला। समाज ने "संत सुरक्षा प्रोटोकॉल" और राष्ट्रीय स्तर पर "संत सुरक्षा नीति" लागू करने की मांग दोहराई। जैन समाज का कहना है कि साधु–संत पैदल विहार करते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था जरूरी है। समाज ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो देशव्यापी आंदोलन और चक्का जाम किया जाएगा।

ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला

मृत बेटी से बेहतर तलाकशुदा बेटी : सॉलिसिटर जनरल

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोपाल की 26 वर्षीय कलाकार ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान ऐसा भावुक क्षण आया जिसने हर माता–पिता को सोचने पर मजबूर कर दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में कहा, "मृत बेटी से बेहतर है तलाकशुदा बेटी।" उनका यह बयान समाज की उस मानसिकता पर बड़ा सवाल माना जा रहा है, जहां कई बेटियां रिश्ते टूटने के डर से चुपचाप मानसिक तनाव सहती रहती हैं।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने मामले को लेकर मीडिया ट्रायल पर चिंता जताई। अदालत ने स्पष्ट कहा कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष और स्वतंत्र होनी चाहिए। कोर्ट ने दोनों पक्षों के परिवारों और गवाहों से अपील की कि वे सार्वजनिक मंचों के बजाय जांच एजेंसियों के सामने अपने बयान

सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया ट्रायल पर जताई गंभीर चिंता

समाजिक दबाव पर उठे बड़े सवाल

दर्ज कराएं, ताकि जांच प्रभावित न हो।

सॉलिसिटर जनरल की टिप्पणी ने अदालत का माहौल भावुक कर दिया। उन्होंने कहा कि कई परिवार समाज के डर से बेटियों को हर हाल में ससुराल में रहने की सलाह देते हैं, जबकि जरूरत पड़ने पर उन्हें सम्मानपूर्वक वापस अपनाना अधिक जरूरी है।

इस मामले में केंद्र सरकार ने संकेत दिए हैं कि जांच सीबीआई को सौंपी जा सकती है। वहीं ट्विशा शर्मा के परिवार ने सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप का स्वागत करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई है।

ग्वालियर में जल संकट से लोग बेहाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। ग्वालियर में भीषण गर्मी के बीच जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। शहर के कई इलाकों में लोग बूंद–बूंद पानी के लिए परेशान हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि जैसे ही पानी का टैंकर पहुंचता है, वहां लोगों की भारी भीड़ जमा हो जाती है और कई बार धक्का–मुक्की व झगड़े की नौबत आ जाती है।

नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार शहर की लगभग 15 लाख आबादी के लिए रोजाना करीब 10 एमसीएफटी पानी की जरूरत है।

निगम का दावा है कि तिघरा डैम से लगभग 12 एमसीएफटी पानी फिल्टर प्लांट तक पहुंचाया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद कई इलाकों में हफ्तों से नलों में पानी नहीं आया है।

टैंकर आते ही मच रही भारी अफरा–तफरी

पानी नहीं मिलने से बढ़ी लोगों की परेशानी

शिंदे की छावनी, घोसीपुरा, सिंधिया नगर, जागृति नगर, गोल पहाड़िया, लक्ष्मीगंज और किला तलहटी समेत कई क्षेत्रों में लोग टैंकरों पर निर्भर हैं।

महिलाओं और बच्चों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी की समस्या के कारण उनका कामकाज और दिहाड़ी प्रभावित हो रही है। कई जगहों पर बोरिंग भी सूखने लगी हैं, जिससे संकट और बढ़ गया है।

नीट पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट हुआ सख्त

एनटीए को पिछली गलतियों पर फटकार

सुधारों पर मांगा विस्तृत जवाब अदालत ने

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि एजेंसी ने पिछली घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार, एनटीए और सीबीआई से मामले में विस्तृत जवाब मांगा है। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने एनटीए को निर्देश दिया कि वह 2024 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए सुझावों और सुधार संबंधी निर्देशों पर अब तक उठाए गए कदमों का हलफनामा दाखिल करे। अदालत ने कहा कि पहले भी पेपर लीक का मामला सामने आया था और सुधार के लिए एक मॉनिटरिंग कमेटी बनाई गई थी, लेकिन स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं दिखा। यह सुनवाई फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर हुई। संगठन ने मांग की है कि नीट जैसी बड़ी परीक्षा

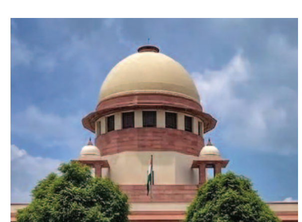

कराने के लिए मौजूदा व्यवस्था की जगह एक मजबूत और स्वतंत्र संस्था बनाई जाए। याचिका में कहा गया कि बार–बार होने वाले पेपर लीक से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा गठित उस समिति से भी जवाब मांगा है, जिसकी अध्यक्षता इसरो के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन कर रहे हैं। अदालत ने पूछा कि एनटीए की कार्यप्रणाली सुधारने के लिए बनाई गई सिफारिशों पर अब तक क्या प्रगति हुई है। गौरतलब है कि नीट यूजी 2026 परीक्षा 3 मई को आयोजित हुई थी, लेकिन पेपर लीक के आरोपों के बाद 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। मामले की जांच फिलहाल सीबीआई कर रही है और सुप्रीम कोर्ट ने सभी संबंधित याचिकाओं की संयुक्त सुनवाई का फैसला किया है।

निर्माणाधीन मकान नींव से मिला महिला का शव

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के गोहाना में एक सनसनीखेज घटना ने इलाके में दहशत फैला दी। नई सब्जी मंडी क्षेत्र के पास निर्माणाधीन मकान की नींव से कट्टे में बंद महिला का शव मिलने के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

मृतका की पहचान प्रियंका उर्फ सीमा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से गांव घड़वाल की रहने वाली थी। पुलिस के अनुसार महिला का शव प्लॉट की नींव में छिपाकर रखा गया था। शुरुआती जांच में घरेलू विवाद के चलते हत्या की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस जांच में महिला के पति संदीप पर हत्या का आरोप सामने आया है। आरोप है कि उसने पत्नी की हत्या के बाद शव को कट्टे में बंद कर

कट्टे में बंद मिली महिला की लाश

हत्या के बाद पति फरार बताया गया

निर्माणाधीन मकान की नींव में छिपा दिया। घटना के बाद आरोपी फरार बताया जा रहा है। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से जरूरी सबूत जुटाए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

बांग्लादेश सड़क हादसे में पंद्रह यात्रियों की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश में सोमवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह हादसा उस समय हुआ जब लोहे की छड़ों से लदा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा जमुना पुल के पूर्वी हिस्से के पास हुआ, जो देश के उत्तर–पश्चिमी इलाके को मध्य क्षेत्र से जोड़ता है।

पुलिस के अनुसार ट्रक में लोहे की

छड़ों के ऊपर कई यात्री बैठे हुए थे। बताया जा रहा है कि चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद ट्रक तांगइल जिले के कलिहाटी उप–जिले

लोहे की छड़ों से भरा ट्रक पलटा

ईद छुट्टियों में बढ़ी यात्रियों की भीड़

में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई और स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ईद–उल–अजहा की लंबी छुट्टियों के कारण यात्री भारी संख्या में अपने घरों की ओर जा रहे थे। बसों और ट्रेनों में भीड़ अधिक होने के कारण कई लोग ट्रकों में सफर करने को मजबूर हो गए।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान करने का प्रयास जारी है। बांग्लादेश में सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह लापरवाही से वाहन चलाना, खराब सड़कें और ओवरलोडिंग को माना जाता है।

बीजेडी सांसद देबाशीष सामंतराय ने पार्टी छोड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब बीजू जनता दल के राज्यसभा सांसद देबाशीष सामंतराय ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। देबाशीष सामंतराय को बीजेडी प्रमुख नवीन पटनायक का करीबी नेता माना जाता था। सामंतराय ने अपने इस्तीफे में आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर उन्हें लगातार कमतर दिखाया जा रहा था और अब उनकी सेवाओं की जरूरत नहीं समझी जा रही थी। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ पार्टी के लिए काम करने के बावजूद उन्हें उपेक्षा का सामना करना पड़ा।

उन्होंने नवीन पटनायक को भेजे पत्र में राज्यसभा भेजने के लिए आभार भी जताया। साथ ही कहा कि उन्हें ओडिशा और कटक क्षेत्र के लोगों की सेवा करने का अवसर मिला, जिसके लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे।

प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

अवैध खनन करते 10 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़े, मचा हड़कंप

संवाददाता

यूनिक समय, छाता। तहसील प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार-सोमवार की रात अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। प्रशासनिक टीम ने रात के अंधेरे में अवैध रूप से मिट्टी का खनन कर ले जा रहे 10 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़ लिया। प्रशासन की इस अचानक हुई छापेमारी से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया।

एसडीएम को पिछले कुछ समय से शेरगढ़ सेनवा क्षेत्र में रात के समय बड़े पैमाने पर अवैध खनन की शिकायतें मिल रही थीं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ मिलकर एक गोपनीय योजना बनाई।

रात को जैसे ही ट्रैक्टर-ट्रॉलियां अवैध रूप से खनन की गई सामग्री को लादकर मुख्य मार्ग की ओर बढ़ीं, उससे पहले टीम ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। प्रशासनिक टीम को देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस को आते देख अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ ट्रैक्टर चालक और मजदूर मौके से भागने में सफल रहे, लेकिन टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए सभी 10 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को अपने कब्जे में ले लिया। जब्त किए गए सभी वाहनों को शेरगढ़ थाने परिसर में खड़ा कराया गया है।

भागवत शोभायात्रा में झूमे श्रद्धालु

भागवत कथा शुभारंभ पर निकाली गई कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। श्री केशव मित्र मंडली के तत्वावधान में गोविंद नगर स्थित गोविंदेश्वर महादेव मंदिर से भव्य श्रीमद्भागवत शोभायात्रा निकाली गई। आचार्य पंडित मुकेश शास्त्री के नेतृत्व में निकली शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु और भागवत प्रेमी शामिल हुए। बैंड-बाजों और जयघोष के साथ निकली शोभायात्रा प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज मंदिर पहुंची। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा के दौरान महिला भक्त भक्ति गीतों और भागवत भजनों पर झूमती नजर आईं। मंदिर पहुंचने पर सभी श्रद्धालुओं ने श्रीमद्भागवत का पूजन-अर्चन किया। शास्त्री ने भागवत का महत्व बताते हुए धर्म- भक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर सीए आलोक नागर, प्रशांत शर्मा, सीए रोहित कपूर, धर्मेंद्र अग्रवाल बिसावर वाले, अमित अग्रवाल राजस्थान मार्बल, सीए रामकुमार सारस्वत, केशव देव कमेटी अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा, राजकुमार अग्रवाल, दीपक शर्मा, बिहारीलाल गोस्वामी, श्यामा चरण गोस्वामी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चिलचिलाती धूप पर भारी पड़ रही आस्था

बांकेबिहारी मंदिर समेत अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की लगी लाइन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। आसमान से बरसती आग और नीचे गर्म जमीन। पसीनों से लथपथ श्रद्धालु। मन में ठाकुरजी के दर्शन करने का भाव। इसी भाव में डूबे श्रद्धालुओं के नजारे यहां मंदिरों के आसपास देखने को मिल रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि चिलचिलाती धूप पर आस्था भारी पड़ती नजर आ रही है।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर की ओर जाने वाले रास्तों पर आगे बढ़ रहे श्रद्धालुओं को देखकर ऐसा लग रहा है कि वह ठाकुरजी के लिए सब परेशानी झेलने को तैयार हैं। इसलिए तो वह पसीने से लथपथ होते हुए तेज धूप की चिंता किए बगैर ठाकुरजी के एक झलक पाने को बेताव हैं। कैसे भी एक बारे दर्शन हो जाएं। उनके मुख से बस एक ही जयकारा निकल रहा है कि ठाकुर बांकेबिहारी महाराज की जय। मंदिर के आसपास पीने के पानी की व्यवस्था न होने से अनेक श्रद्धालु परेशान नजर आते हैं।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में जाने के लिए श्रद्धालुओं की लगी लाइन।

इसी तरह से ठाकुर राधाबल्लभ लाल मंदिर में धक्का मुक्की के बीच श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। यहां भी मंदिर गेट से लेकर आंगन तक भीड़ ही भीड़ नजर आती है। ठाकुर राधारमण मंदिर, निधिवन राज मंदिर की ओर भी श्रद्धालु नंगे पैर भागते नजर आते हैं।

दलित छात्रा का अपहरण, सामूहिक रेप पर कांग्रेसियो में उबाल

प्रदर्शन कर डीएम को दिय राज्यपाल के नाम ज्ञापन

यूनिक समय,मथुरा। महोबा जनपद में दलित छात्रा के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म कर अमानवीय यातनाएं देने के विरोध में आज जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सांकेतिक प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम डीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश धनगर ने प्रदेश में दलितों पर होने वाले अत्याचार की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता और आक्रोश प्रकट किया।

घटना में लिप्त सभी दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी कर उनके विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही, पीड़िता के परिवार को सुरक्षा और समुचित आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। संचालन जिला महामंत्री वैद्य मनोज गौड़ ने किया। प्रदर्शन के दौरान कुंवर सिंह निषाद, आदित्य तिवारी एडवोकेट, राजकुमार उपाध्याय एडवोकेट डॉ दीपक आर्य, लता सिंह चौहान, मनोज शर्मा एड, विक्रम बाल्मीकि, रुपा लवानिया, गीता दिवाकर, शाहिद कुरेशी, रवि वाल्मीकि, कासन रिजवी,विजय सिंह लोधी,संदीप हिंडोल, गौरांग अग्रवाल, बलवीर प्रधान, विनोद दिवाकर, हासिम हुमेर, कपिल यादव,अजीम शाह, मुस्लिम कुरेशी, चंद्रप्रकाश, अनवर हुसैन, बलवीर धनगर, मोहम्मद दिलशाद, शाहरुख खान, राजेश धनगर रज्जू कुरेशी आदि सैंकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जैन समाज के संतों की सुरक्षा को लेकर एसडीएम को ज्ञापन

यूनिक समय, कोसीकलां / छाता। सकल दिगंबर जैन समाज कोसीकलां ने एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से सकल दिगंबर जैन समाज के संतों की सुरक्षा की मांग की गई। गौरतलब है कि विगत दिनों जैन समाज के संतों के साथ हुई अप्रिय घटना को लेकर पूरा जैन समाज बड़ा ही आहत है। उन्होंने मांग की 24 घंटे जैन समाज के संतों को सुरक्षा प्रदान की जाए। पूर्व नगर अध्यक्ष नरेंद्र गुर्जर ने कहा कि जैन समाज हमेशा का शांति संदेश देता है, उनके साथ ऐसी घटनाएं दुखद और चिंताजनक है उन्होंने सरकार से संतों की सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाए जाने की मांग की है। इस दौरान दीपक जैन ,प्रवीन जैन, कैलाश जैन, विजय जैन ,उषा जैन, कविता जैन, विमल जैन अन्य लोग शामिल थे।

शिक्षक ने की बच्चे से मारपीट पिता ने की बीएसए से शिकायत

यूनिक समय,गोवर्धन। कस्बे के एक स्कूल के शिक्षक द्वारा छोटे बच्चे को पीटने का आरोप लगाते हुए एक अभिभावक ने बीएसए से शिक्षक की शिकायत की है। इसके साथ ही स्कूल की मान्यता भी समाप्त करने की मांग की है। सकरवा रोड गोवर्धन निवासी नीरज पुत्र इंदर ने बृजधाम पब्लिक स्कूल सकरवा रोड गोवर्धन में उसके बेटे विवेक कुमार कक्षा तीन में पढ़ रहा है। विवेक कुमार रोजाना की तरह स्कूल गया था। अध्यापक सुरेंद्र कुमार ने विवेक कुमार से कोई प्रशन पूछा। विवेक ने उसका जवाब अपने विवेक से दिया। इससे कुपित होकर अध्यापक ने उसे पहले धूप में खड़ा कर दिया। इसके बाद उसके कपड़े उतार कर नंगा कर मुर्गा बनाकर चलवाया। रुकने पर प्लास्टिक के पाइप से उसकी पिटाई की। शिक्षक द्वारा बच्चे के साथ की गई इस हरकत पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

मथुरा ऑरेंज जोन में, दोपहर 12 से 4 बजे तक घर में रहने की सलाह

यूनिक समय, मथुरा। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए मौसम विभाग ने जनपद को हीटवेव (लू) के खतरे के चलते ऑरेंज जोन में चिन्हित किया है। इसको लेकर प्रशासन ने लोगों से विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने कहा है कि आने वाले दिनों में तेज गर्म हवाएं और अत्यधिक तापमान लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकते हैं, इसलिए सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने बताया कि नागरिक स्थानीय मौसम पूर्वानुमान पर लगातार नजर रखें और तापमान में होने वाले बदलाव के प्रति सतर्क रहें। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अत्यधिक आवश्यकता न हो तो घर से बाहर न निकलें। यात्रा के दौरान पानी साथ रखें और शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, लस्सी और चावल का माड़ जैसे घरेलू पेय पदार्थों का सेवन करें।

मकान तोड़ने के दौरान छज्जा गिरा एक मजदूर की मौत, दूसरा घायल

यूनिक समय,मथुरा। थाना हाइवे के राधापुरम स्टेट में एक मकान को तोड़ने के दौरान मकान का छज्जा गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। बताया गया कि राधापुरम स्टेट में किसी मकान को तोड़ने का काम चल रहा था। मकान को तोड़ने के लिए गांव देवीपुरा के रहने वाला मजदूर ताराचंद और मिथलेश उर्फ पंकज भी मकान को तोड़ रहे थे। इसी दौरान मकान का छज्जा गिर गया। छज्जे के गिरने से दोनों मजदूर उसके मलबे में दब गए। दूसरे मजदूरों ने देखा तो हड़कंप मच गया। आन-फानन में मजदूरों ने मलबे में दबे दोनों मजदूरों को निकाला। मजदूर ताराचंद की मौत हो गई दूसरा मजदूर मिथलेश उर्फ पंकज बुरी तरह से घायल हो गया। घायल मजदूर का इलाज चल रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने ताराचंद के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आरसीए में हुई पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिता

यूनिक समय, मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस पर सोमवार को आरसीए बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में मिशन लाइफ अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण जागरूकता विषय पर पोस्टर औरं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई। प्रतियोगिता में छात्राओं ने आकर्षक पोस्टर एवं प्रभावशाली स्लोगन प्रस्तुत कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। प्रतियोगिता की निर्णायक डॉ. संध्या श्रीवास्तव रहीं। प्रतियोगिता में दीक्षा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रतिभा,सोनम यादव ने किया।

प्रदेश में बदलाव की नई इबारत लिखेगा सम्मेलन

चित्रकूट पर हुआ स्वराज भारतीय न्याय पार्टी का सम्मेलन

यूनिक समय, मथुरा। मसानी स्थित चित्रकूट धाम के रामलीला मैदान में स्वराज भारतीय न्याय पार्टी का सम्मेलन हुआ। जय भारत, जय संविधान के संकल्प के साथ बीते दिन हुए सम्मेलन में सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय विकास और हर वर्ग के अधिकारों की रक्षा करने की हुंकार भरी गई।

सम्मेलन के उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रामदास सिंह सूर्यवंशी ने कहा कि यह सम्मेलन मथुरा की पावन धरा से एकता और न्याय का एक नया संदेश है। अध्यक्षता करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह ने कार्यकर्ताओं में नए जोश का संचार किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्व हिंदू महासंघ भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी सत्यानंद गिरि ने अपने संबोधन में समाज को एकजुट करने और न्याय की राह पर चलने का आशीर्वाद दिया। सम्मेलन में राजनीतिक विमर्श के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान हरवीर फौजी ने रागिनी की शानदार प्रस्तुति दी तो पंडाल में मौजूद लोग झूम उठे। हरियाणवी कलाकार जोली बाबा और मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर डोली सिंह ने समां बांधा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी दो जून को मांट आएंगे

अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर आयोजित महासम्मेलन में भाग लेंगे

संवाददाता

यूनिक समय, मांट (मथुरा)। केंद्रीय मंत्री एवं रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी दो जून को अहिल्याबाई होल्कर की 301 वीं जयंती पर कसबा में आयोजित महासम्मेलन में भाग लेने आएंगे। कार्यक्रम संयोजक व रालोद के राष्ट्रीय महासचिव डा. यशपाल बघेल ने सोमवार को बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मनोज गोयल के कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि अहिल्या बाई होल्कर ने देश प्रेम, समाज सेवा और न्याय के लिए जीवन पर्यन्त संघर्ष किया था, उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में रालोद मुखिया और केंद्रीय कौशल विकास मंत्री जयंत चौधरी मुख्य अतिथि बतौर भाग लेंगे।

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के कार्यक्रम की जानकारी देते रालोद राष्ट्रीय महासचिव डा. यशपाल बघेल, मनोज गोयल व रालोद जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह भरंगर।

रालोद जिलाध्यक्ष राजपाल भरंगर ने बताया कि महासम्मेलन के मंच से बघेल समाज की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता के साथ रखा जायेगा। इस दौरान मनोज गोयल, जयवीर सिंह, प्रेमकुमार दरोगा, केरन सिंह, देवांग सिंह, मुंशीलाल धनगर, रघुवीर सिंह बघेल, गंगेश्वर धनगर, कौशल किशोर बघेल, सुनील धनगर, रामवीर सिंह, खचेर सिंह, संतोष पहलवान, सचिन धनगर एवं राहुल कुमार मौजूद थे।